दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति दूसरों की बात सुनते हुए भी अपने विचारों की जड़ें मजबूत रखता है, वही जीवन के हर तूफ़ान में संतुलन और सम्मान दोनों बचा लेता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-34 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

न्यूज विंडो

शाहजहांपुर टोल के पास दर्दनाक हादसा: ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार गंभीर घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर टोल प्लाजा के समीप मंगलवार सुबह करीब 6 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। परचून सप्लाई का कार्य करने वाले स्कूटी सवार अधेड़ व्यक्ति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान विनोद निवासी शाहजहांपुर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की 1033 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल नीमराना स्थित सोनी देवी अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीमराना में प्राथमिक उपचार के बाद घायल की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे अलवर के लिए रेफर कर दिया।हादसे के बाद कुछ समय के लिए टोल प्लाजा क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारु कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कॉपर में मनाई गई चौधरी चरण सिंह की जयंती

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर।

कॉपर की जाट धर्मशाला में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123 वीं जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास सैनी ढाणा सरपंच रहे अध्यक्षता ओम प्रकाश लाम्बा ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी हरिराम गुर्जर उपस्थित रहे उपस्थित अतिथियों व ग्रामीणों ने चौधरी चरण सिंह की फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया वक्ताओ ने कहा चौधरी चरण सिंह ने किसानों के लिए मसीहा के रूप में काम किया है किसानों के लिए जो कानून बने हैं वह उन्हीं की देन है उन्होंने कहा था देश की समृद्धि किसानों के खेतों से होकर गुजराती है जो उन्होंने कहा वह वर्तमान में सच साबित हो रहा है उन्हीं की नीतियों की वर्तमान में भी पालना हो रही है। कार्यक्रम में शेर सिंह कृष्णिया, मनोज श्योराण, शमशेर चौधरी, सुरेश, निरंजन चौधरी, सुभाष गोदारा, सुभाष राव, हरपाल गजराज, शिवपाल, सुमेर, उम्मेद, सिंह, प्रेम सिंह झाझड़िया, हवा सिंह भगासरा, होशियार सिंह, चरण सिंह, सतीश नारायण सिंह, कुलदीप, ओमप्रकाश डागर सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

झुंझुनूं गैंगवार के मास्टरमाइंड ने कोर्ट में सरेंडर किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.दौसा।

सीकर के हिस्ट्रीशीटर श्रवण भदवासी ने कोर्ट में मंगलवार शाम सरेंडर कर दिया है। झुंझुनूं में अपनी भाभी की 24 बीघा जमीन पर कब्जे के चलते गैंगवॉर हुई थी। इसमें हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ रविकांत उर्फ गोलू स्वामी और सुनिल सुंडा की मौत हो गई थी। सूचना के बाद जाब्ते के मौके पर पहुंचे कोतवाली थाना इंचार्ज भगवान सहाय की टीम ने बदमाश को हिरासत में ले लिया। बदमाश के सरेंडर करने का पता चलते ही कोर्ट परिसर छावनी बन गया। जिसे कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच बैरक में शिफ्ट किया गया है। कार्रवाई के बाद उसे झुंझुनूं को सुपुर्द किया जाएगा।

भाभी की जमीन हड़पना चाहता था

12 दिसंबर को नवलगढ़ के खिरोड़ गांव में हुई गैंगवार के विवाद की वजह सीकर जिले के भदवासी गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर श्रवण फगेड़िया से जुड़ी है। श्रवण दादिया थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसकी नजर अपने सौतेले भाई के परिवार की करीब 30 करोड़ रुपए की बेशकीमती 25 बीघा जमीन पर थी। इस जमीन को हथियाने को लेकर श्रवण पर अपने सौतेले भाई की हत्या कराने का भी मुकदमा चल रहा है। इसी के चलते उसका अपने सौतेले भाई की पत्नी (भाभी) और उसके परिजनों से भी विवाद चल रहा था। श्रवण से निपटने के लिए उसकी भाभी अपने पति की इस 25 बीघा जमीन को खिरोड़ गांव के हिस्ट्रीशीटर और 0056 के नाम से गैंग चलाने वाले रविंद्र कटेवा से महज 5-7 करोड़ रुपए में सौदा कर लिया था। जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी रविंद्र कटेवा के नाम करवा दी थी। जानकारी के मुताबिक, रविंद्र कटेवा लंबे समय से विवादित प्रॉपर्टी खरीदने और उन पर दादागिरी से कब्जा करने का काम कर रहा था। करोड़ों रुपए के फायदे का सौदा उसने झट से कर लिया।

झुंझुनूं गैंगवार: 12 दिसंबर को क्या हुआ था?

रविंद्र कटेवा पर घर में हुआ हमला: 12 दिसंबर सुबह 9 से 9:30 के बीच आरके ग्रुप 0056 का मुख्य सरगना हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा अपने घर (नवलगढ़ थाना इलाके के खिरोड़ गांव) में था। यहां पर उसके साथ सुनील सुंडा भी मौजूद था। इसी दौरान कृष्णकांत और अन्य तीन बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया।

कृष्णकांत की हत्या या सुसाइड?

पुलिस को इसके बाद कृष्णकांत की लाश मिली, उसके सिर में भी गोली लगी हुई थी। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस बारे में स्पष्ट नहीं किया है कि उस पर फायरिंग हुई या उसने खुद ने ही सुसाइड किया है। वहीं लोगों की पिटाई के चलते पिंटू और राजेंद्र भी घायल हो गए, जिन्हें भी इलाज के लिए पहले सीकर लाया गया। फिर यहां से उन्हें जयपुर भेज दिया गया।

हिस्ट्रीशीटर की दुकानों को तोड़ा था

नवलगढ़ में 12 दिसंबर को हुई गैंगवार के बाद सीकर पुलिस और प्रशासन एक सप्ताह पूर्व बड़ा एक्शन लेते हुए आरोपी हिस्ट्रीशीटर श्रवण भदवासी की भादवासी गांव में स्थित दुकानों को तोड़ दिया था। इन दुकानों में शराब की अवैध ब्रांच भी चलती थी। यहां गैंगवार के बाद 15 दिसंबर को सीकर पुलिस ने रविंद्र कटेवा और श्रवण भादवासी गैंग से जुड़े लोगों के घरों पर दबिश भी दी थी।

गांव वालों ने घेरकर पकड़ा:

कृष्णकांत और उसके साथी मुख्य सड़क की बजाय गांव के कच्चे रास्तों से फरार होने लगे, लेकिन उन्हें थोड़ी दूर चलने के बाद रास्ता नहीं मिला। कटेवा और उसके साथियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कृष्णकांत, पिंटू और राजेंद्र को पकड़ लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट भी की गई।

सुनील को गोली मारी:

सुनील उनके पीछे भागा और फिर उनकी गाड़ी का स्टेयरिंग पकड़ लिया। इसी दौरान कृष्णकांत और उसके साथी ने सुनील पर फायरिंग कर दी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद सुनील को सीकर लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

भाभी की जमीन को लेकर हुआ था विवाद, हिस्ट्रीशीटर समेत 2 की हत्या करवाई थी

सेना भर्ती के दौरान बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह रहेगा निषेध

सेना भर्ती तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने किया एसकेआरएयू का विजिट

जिले में 29 जनवरी से 18 फरवरी तक होगा सेना भर्ती का बड़ा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिले में अगले महीने 29 जनवरी से 18 फरवरी तक हो रही सेना भर्ती (वर्ष 2025-26) की तैयारियों को लेकर मंगलवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का विजिट किया। इस दौरान बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू और झुंझुनूं समेत पांच जिलों में सेना भर्ती के इंचार्ज कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि सेना भर्ती के दौरान बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह से निषेध रहेगा। सेना भर्ती इंचार्ज कर्नल अंकुर कुमार और उनकी पूरी टीम के साथ एडीएम सिटी रमेश देव, एडिशनल एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, बीडीए उपायुक्त ऋषि पांडे समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित खेल मैदान, इंडोर स्टेडियम इत्यादि का संयुक्त रूप से जायजा लिया और वहां ट्रैक तैयार करने, प्रतिभागियों के लिए पानी, भोजन, मेडिकल की व्यवस्था करने, टेंट, बिजली, बैरिकेडिंग, सेना टीम के ठहरने समेत एक-एक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि राजस्थान में ये पांचवी सेना भर्ती है इससे पहले इसी साल जोधपुर, कोटा, अलवर और सीकर में सेना भर्ती का आयोजन किया जा चुका है। कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि दौड़ के लिए मैदान पर ट्रैक बनाने के साथ साथ एक वैकल्पिक ट्रैक भी तैयार रखा जाएगा। ताकि बारिश होने की स्थिति में उसका इस्तेमाल किया जा सके।

विजिट के दौरान सेना भर्ती से जुड़े मेजर मोहित नायर समेत सेना की पूरी टीम,सीएमएचओ डॉ पुखराज साथ, एसकेआरएयू से छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एच.एल.देसवाल, एसोसिएट प्रो. अशोक शाक्य, डॉ बीडी नाथावत, समेत रोडवेज, परिवहन, खेल, शिक्षा, बिजली विभाग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान के तहत बस बॉडी कोड व सुरक्षा मानकों की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनू।

राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत मंगलवार 23 दिसंबर 2025 को सूरजगढ़ मोड़ स्थित श्री बालाजी बस बॉडी वर्क्स, चिड़ावा में जिला परिवहन कार्यालय की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिवहन निरीक्षक रमेश कुमार यादव ने बस बॉडी निर्माण से जुड़े मालिकों एवं कर्मचारियों को बस बॉडी कोड-द्वस 052,-द्वस 063,-द्वस 119 व-द्वस 153 की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बसों में इमरजेंसी दरवाजे, एस्केप हैच, फायर सेफ्टी नॉर्म्स (एफडीएसएस) का पालन अनिवार्य है। साथ ही पुरानी बसों में इमरजेंसी दरवाजा कहां और किस प्रकार बनाया जाए तथा एस्केप हैच की संख्या और स्थान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परिवहन निरीक्षक ने नए मानकों के अनुसार दिव्यांगजनों के लिए बसों में नीलिंग सिस्टम, रैम्प एवं व्हीलचेयर की सुविधा, वीएलटीडी और पैनिक बटन की उपयोगिता और अनिवार्यता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने मौके पर ही पुरानी बसों में इमरजेंसी दरवाजा एवं एस्केप हैच तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में यात्रियों की जान बचाई जा सकें। इस अवसर पर बस ऑपरेटर विजय, राकेश, धर्मपाल, बिशंबर, नरेश सहित वर्कशॉप का स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य बस निर्माण एवं संचालन से जुड़े सभी पक्षों को नवीन सुरक्षा मानकों से अवगत कराकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा।

शाहजहांपुर थाने का निरीक्षण: अतिरिक्त एसपी नाजिम अली ने दिए सख्त निर्देश

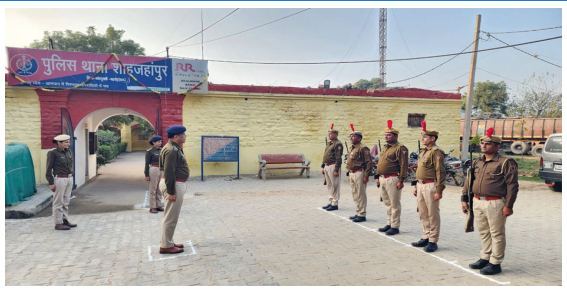

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहांपुर, कोटपूतली अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली ने शाहजहांपुर थाने का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीएसपी चारुल गुप्ता भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के समय शाहजहांपुर थानाधिकारी प्रकिता सिंह सहित थाने का समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। अतिरिक्त एसपी ने थाना परिसर, अभिलेखों एवं पुलिस कार्यप्रणाली का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान यातायात सुरक्षा, आमजन की सुरक्षा और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारी ने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने, नियमित गश्त करने और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली ने कहा कि आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 159वें दिन भी जारी, खेजड़ी व पर्यावरण संरक्षण को लेकर चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खेजड़ला रोही नोखा दईया में पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना लगातार जारी है। समिति का यह धरना मंगलवार को 524वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जबकि पर्यावरण संघर्ष समिति का क्रमिक धरना 159वें दिन भी जारी रहा। धरने में वक्ताओं ने खेजड़ी सहित मरुस्थलीय पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। धरने पर मौजूद नेयवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) बरसिंगसर के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक अभियंता आंबाराम इणखिया ने कहा कि खेजड़ी के अलावा अन्य वनस्पतियां भी मरुस्थल के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सोलर प्लांटों की स्थापना से पर्यावरण को भारी नुकसान होगा, जिसकी भरपाई करना भविष्य में बेहद कठिन साबित होगा। इणखिया ने अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए बताया कि बरसिंगसर क्षेत्र में उनके समय में बहुत कम खेजड़ियां काटी गई थीं, बल्कि हजारों खेजड़ी व अन्य वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने अरावली पर्वतमाला को बचाने को भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

धरने में पहुंचे वरिष्ठ अधिवक्ता रक्षपाल बिशनोई ने कहा कि आगामी दो फरवरी को होने वाला महापड़ाव खेजड़ी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा तय करेगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस आंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया। मंगलवार को धरने पर शिवदान मेघवाल, रामदेव मेघवाल कोलासर, सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार हनुमाना राम बिशनोई, रामप्रताप वर्मा, ताहिर खान, गोपीचंद धायल, गंगाबिशन सियाग, महेंद्र भादू, पद्म प्रेमरतन जोशी, टीकूराम चौधरी, रामसिंह राहड़, गोपाल सियाग रासीसर, बुधराम सीगड़, बुधराम सियाग, लक्ष्मण सिंह शेखावत, राजेंद्र सिंह राठौड़, भंवरलाल जाखड़, भीखाराम मेघवाल, कॉमरेड मूलचंद खत्री, कुम्भाराम मेघवाल, रामलाल मेघवाल, जगदीश मेघवाल, विष्णु कुमार मेघवाल, टीकूराम जयपाल, अरुण कुमार वैध, मदन सिंह शेखावत, हेमंत किराडू नेताजी, पूनमराम रिख सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। धरने में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि खेजड़ी और मरुस्थलीय पर्यावरण की रक्षा के लिए यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक ठोस समाधान नहीं निकलता।

सुशासन पखवाड़े के तहत झुंझुनूं में किसान सम्मेलन आयोजित किसानों को मिली योजनाओं की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे सुशासन पखवाड़े के तहत मंगलवार को सूचना केंद्र सभागार में कृषि विभाग द्वारा किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं विभागीय सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विभाग के उपनिदेशक राजेन्द्र सिंह लाम्बा ने बताया कि बीते दो वर्षों में जिले में 369 फार्म पॉण्ड निर्माण पर अनुदान प्रदान किया गया है। इसके साथ ही वर्मी कम्पोस्ट यूनिट स्थापित करवाई गई हैं तथा लगभग 4.5 किलोमीटर क्षेत्र में तारबंदी करवाई गई है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जिले के लगभग डेढ़ लाख किसानों को मिनी किट उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया गया है। उपनिदेशक ने किसानों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर किसानों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नागौर जिले के मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन को भी सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को मंडावा आएंगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

प्रदेश की उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता विभाग की मंत्री दिया कुमारी बुधवार को मंडावा दौरे पर रहेंगी। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि उप मुख्यमंत्री प्रातः 8:30 बजे जयपुर से प्रस्थान कर 10:30 बजे मंडावा पहुंचेंगी। मंडावा में वे होटल कैसल में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। कार्यक्रम के उपरांत उप मुख्यमंत्री अपराह्न 2:30 बजे मंडावा से जयपुर के लिए रवाना होंगी।

सुशासन पखवाड़ा में जनसुनवाई व विकास कार्यों को मिली गति

विधायक राजेंद्र भांबू ने किया उदावास, कुलोद कलां व पुरोहितों की ढाणी में शिलान्यास-लोकार्पण,

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान सरकार के सुशासन पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को विधायक राजेन्द्र भांबू के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत उदावास, कुलोद कलां एवं पुरोहितों की ढाणी में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया। जनसुनवाई में विधायक राजेन्द्र भांबू ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और सुशासन के माध्यम से गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में सुशासन पखवाड़ा के विधानसभा प्रभारी रतन सिंह, संयोजक मुकेश पातुसरी, बाबूलाल माहिच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि 'बढ़ता राजस्थान, हमारा राजस्थान - नव उत्थान, नई पहचान' के संकल्प के साथ राज्य सरकार निरंतर विकास और जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

कुम्हार समाज प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियां तेज, 27 दिसंबर को रविंद्र रंगमंच पर होगा भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कुम्हार (प्रजापति) समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेधर एवं कुम्हार समाज प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट अशोक प्रजापत ने की। बैठक में 27 दिसंबर 2025, शनिवार को प्रातः 10 बजे से रविंद्र रंगमंच, बीकानेर में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कुम्हार समाज प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट अशोक प्रजापत ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा और प्रतिभाओं का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। 27 दिसंबर को आयोजित होने वाला यह समारोह समाज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत और मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेधर ने कहा कि रविंद्र रंगमंच पर होने वाला यह आयोजन समाज की एकता, संगठन और शक्ति का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं, अतिथि सत्कार एवं अनुशासन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम अध्यक्ष त्रिलोकचंद गेधर ने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मानित करना आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करने जैसा है। उन्होंने कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार, पंजीकरण प्रक्रिया एवं आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों के गठन तथा कार्यक्रम स्थल रविंद्र रंगमंच पर व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारियां सौंपने पर भी सहमति बनी।इस अवसर पर बीपीएचओ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष किशन संवाल, जिला परिषद सदस्य श्रवण कुमार प्रजापत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सोहनलाल प्रजापत, भाजपा बीछवाल मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण गुरिया, बाधनु सरपंच माला राम नागा, पप्पू लखेसर, बाबूलाल सोखल, हरिराम माहर, मनोज माहर, कर्णाराम गेधर खारी, आशुराम बोबरवाल, मेघराज मंगलाव, श्रवण बोबरवाल, अर्जुन बोबरवाल, श्रवण गंगपारिया, चुनीलाल लखेसर, गणेश पिल्लू गेधर, अर्जुन मंगलाव, सुंदर जालप पटवारी, गणेश मेरोथा, लालचंद गेधर सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहें। बैठक में सभी ने एक स्वर में प्रतिभा सम्मान समारोह को ऐतिहासिक और सफल बनाने का संकल्प लिया।

स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ शहर जिला बीकानेर में ममता रांकावत जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष श्री जीवन खान के निर्देशानुसार स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, शहर जिला बीकानेर में संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए नई नियुक्ति की गई है। शहर जिलाध्यक्ष हसन अली गौरी ने ममता रांकावत को स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, बीकानेर का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

किया है। यह नियुक्ति सोमवार 22 दिसंबर 2025 को की गई। संगठन नेतृत्व का मानना है कि ममता रांकावत की सक्रियता, अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता से स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।नियुक्ति पर कांग्रेसजनों एवं कार्यकर्ताओं ने ममता रांकावत को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

ओबीसी विभाग के नवनिर्वाचित अध्यक्ष के नेतृत्व में बीकानेर में पौष उत्सव का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती उमा करल सुथार के नेतृत्व में 21 दिसंबर 2025 को पौष उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, महिला कांग्रेस प्रतिनिधियों तथा समाज के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।? कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला रहे। इस अवसर पर बीकानेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदराम मेघवाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मदन गोपाल मेघवाल, कन्हैयालाल कल्ला, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के महासचिव कमल कुमार नागल, सचिव अता हुसैन, नवनीत कौर, मनोज चौधरी, देहात ओबीसी विभाग अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन, पूर्व अध्यक्ष यशपाल गहलोत, पूर्व उपमहापौर हारून राठौड़, जियाउल रहमान, सेवादल देहात कांग्रेस अध्यक्ष रामनिवास गोदारा सहित सभी ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहें। कार्यक्रम में बीकानेर शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शशिकला राठौड़, देहात महिला कांग्रेस अध्यक्ष शांति बेनीवाल, सिवरी चौधरी, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शर्मिला पंचारिया, मुमताज शेख सहित अनेक महिला पदाधिकारियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान सभी अतिथियों का शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती उमा करल सुथार ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने अपने संबोधन में संगठन को मजबूत करने तथा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता दोहराई।कार्यक्रम में ओबीसी विभाग द्वारा खेल प्रतिभा में गोल्ड मेडल जीतने वाली बेटियों साक्षी सहारण एवं मोनिका गाट को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जिससे उपस्थितजनों में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर बीकानेर सुथार समाज के राधाकिशन, पूर्व पार्षद मेघराज, भगीरथ सुथार, नवीन सुथार, सीतादेवी सुथार, अर्चना सुथार, विनोद कुलरिया, चतर्भुज सुथार सहित सैकड़ों समाजबंधुओं ने जिला अध्यक्ष बनने पर श्रीमती उमा करल सुथार का गर्मजोशी से स्वागत किया। ओबीसी विभाग के पूर्व पदाधिकारी हंसराज विश्नोई, किशोर गहलोत, देवेंद्र चौहान सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भी समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

26 दिसंबर को नोखा सहित प्रदेशभर से भामसं से जुड़े एक लाख श्रमिक जयपुर करेंगे कूच- चुन्नीलाल राजस्थानी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

भारतीय मजदूर संघ, राजस्थान प्रदेश के तत्वावधान में 26 दिसंबर को जयपुर में एक विशाल 'हूंकार रैली' का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में प्रदेशभर से भारतीय मजदूर संघ से जुड़े लगभग एक लाख श्रमिक भाग लेकर सरकार के समक्ष अपनी विभिन्न मांगों को मजबूती से रखेंगे। राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री चुन्नीलाल राजस्थानी ने जानकारी देते हुए बताया कि नोखा सहित बीकानेर जिले से सैकड़ों श्रमिक जयपुर कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि विद्युत कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर प्रदेशभर के हजारों विद्युतकर्मी इस विशाल रैली में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने बताया कि जोधपुर डिस्कॉम श्रमिक संघ के बैनर तले भी बड़ी संख्या में विद्युतकर्मियों ने इस रैली में पहुंचने का संकल्प लिया है। यह रैली श्रमिकों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर एक सशक्त मंच बनेगी। इस अवसर पर राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं डिस्कॉम उपाध्यक्ष प्रेमसुख बिश्नोई, डिस्कॉम कार्यसमिति सदस्य भंवरसिंह बीदावत, भीमसेन भाटी, वरिष्ठ कार्यकर्ता ओमप्रकाश रांकावत, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार छिंपा, नोखा उपखंड अध्यक्ष बजरंग बिश्नोई, महामंत्री धन्नाराम कुलड़िया, कोषाध्यक्ष गोपीकिशन छींपा, जिला भामसं सदस्य महेश पारीक, दिनेश मोदी, एआरओ नरेश बिश्नोई, सुरेन्द्र सिंह, राजकुमार चौधरी, बजरंग डेलू, महेश मीणा, हरिराम पंवार, गणेश रांकावत, श्रवण छींपा, राजाराम सैन, अशोक सोनगरा सहित अनेक श्रमिक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आलोचना के बीच स्थिर रहना ही सच्ची शिक्षा का प्रमाण

आधुनिक समाज में मनुष्य हर पल किसी न किसी मूल्यांकन से गुजर रहा है। कभी मंच पर बोलते हुए, कभी कार्यस्थल पर काम करते हुए, कभी सोशल मीडिया पर अपनी राय रखते हुए–हर जगह प्रशंसा के साथ आलोचना भी सामने आ जाती है। अक्सर देखा जाता है कि लोग आलोचना सुनते ही या तो अपना आत्मविश्वास खो बैठते हैं या फिर दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपने मूल विचारों और मूल्यों से समझौता कर लेते हैं। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा की वास्तविक भूमिका सामने आती है। सच्ची शिक्षा मनुष्य को केवल बोलना या तर्क देना नहीं सिखाती, बल्कि उसे आलोचना के शोर में भी शांत और स्थिर रहना सिखाती है। यहां यदि मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। आज शिक्षा को हमने डिग्री, अंक और पद तक सीमित कर दिया है, जबकि उसका वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति के भीतर आत्मबोध पैदा करना है। जब किसी व्यक्ति को यह स्पष्ट हो जाता है कि वह कौन है, उसकी सोच क्या है और उसकी दिशा क्या है, तब बाहरी टिप्पणियाँ उसे आसानी से विचलित नहीं कर पातीं। आत्मविश्वास का जन्म इसी स्पष्टता से होता है। यह आत्मविश्वास अहंकार नहीं होता, क्योंकि अहंकार दूसरों की बात सुनने से इनकार करता है, जबकि आत्मविश्वास दूसरों की बात सुनकर भी स्वयं पर भरोसा बनाए रखता है।

अक्सर आलोचना से डरने का कारण स्वयं को पूरी तरह न जानना होता है। जब व्यक्ति अपने अस्तित्व, क्षमताओं और सीमाओं को नहीं समझता, तब हर नकारात्मक टिप्पणी उसे भीतर तक हिला देती है। शिक्षा का असली काम इसी डर को दूर करना है। वह हमें यह सिखाती है कि हर सुनी हुई बात सच नहीं होती और हर असहमति हमारे अस्तित्व पर हमला नहीं होती। शिक्षित व्यक्ति आलोचना को व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि एक विचार के रूप में ग्रहण करता है और विवेक से तय करता है कि उसमें से क्या स्वीकार करना है और क्या छोड़ देना है। आज के समय में समाज को अच्छे वक्ताओं से अधिक अच्छे श्रोताओं की आवश्यकता है। सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को ऐसा श्रोता बनाती है, जो असहमति में भी शांत रहे, जो दूसरे की बात पूरी सुने और जो प्रतिक्रिया देने से पहले सोच सके। जब कोई व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलन बनाए रखता है, बिना उग्र हुए या टूटे बिना, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि उसकी शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवन की समझ में बदल चुकी है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को मानसिक रूप से इतना मजबूत बनाना है कि वह न तो बेवजह प्रशंसा में बहक जाए और न ही अनावश्यक आलोचना में टूट जाए। ऐसा व्यक्ति जानता है कि उसकी पहचान दूसरों की राय से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, ज्ञान और कर्मों से तय होती है। जब यह समझ विकसित हो जाती है, तब व्यक्ति आलोचना के बीच भी अपनी दिशा नहीं खोता। ऐसी शिक्षा का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज में दिखाई देता है। जब लोग एक-दूसरे की बात सुनना सीखते हैं, तो मतभेद संघर्ष में नहीं बदलते। संवाद बढ़ता है, समझ विकसित होती है और समाज अधिक सहनशील बनता है। आलोचना तब विनाश का कारण नहीं बनती, बल्कि सुधार और प्रगति का माध्यम बन जाती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि शिक्षा का असली मापदंड यही है कि व्यक्ति आलोचना के बीच कितना स्थिर रह पाता है। जो व्यक्ति कठिन समय में भी शांत रहकर दूसरों की बात सुन सकता है, अपने आत्मविश्वास को बनाए रख सकता है और विवेकपूर्ण निर्णय ले सकता है, वही वास्तव में शिक्षित है। ऐसी शिक्षा ही व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है और समाज को शांति, समझ और प्रगति की ओर ले जाती है।

उपभोक्ता जागरूकता से समृद्ध समाज की ओर - जागरूक होंगे, तभी मिलेगा इंसाफ

योगेश कुमार गोयल

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्व अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्प ात्पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान किए हैं, जिनमें सुरक्षा का अधिकार के तहत खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं से बचाव का अधिकार, सूचना का अधिकार के तहत वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता और कीमत की सही जानकारी का अधिकार, विकल्प का अधिकार के तहत प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं का चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, निवारण का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं और शोषण के खिलाफ न्याय का अधिकार शामिल हैं। जहां तक उपभोक्ता की जिम्मेदारियां की बात है तो उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करें, नकली और घटिया उत्पादों से बचने के लिए प्रमाणित ब्रांड्स को ही प्राथमिकता दें, अपनी शिकायतों को दर्ज कराने में सक्रिय रहें, जागरूकता फैलाने में योगदान दें।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। दरअसल विभिन्न छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

भारतीय राजनीति में चयनात्मक संवेदनशीलता

डॉ राघवेंद्र शर्मा

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति और उस पर भारतीय विमर्श में व्याप्त चुनिंदा संवेदनशीलता एक गंभीर और विचारणीय विषय है। बांग्लादेश में दीपचंद की हालिया हत्या और भारतीय गलियारों मेंउसके बाद की राजनीतिक चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। यह भारतीय राजनीति का वह विद्रूप चेहरा है जो इन विसंगतियों और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने की असीमित सामग्री मुहैया कराता है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरें विचलित करने वाली रही हैं। दीपचंद की नृशंस हत्या इसी सिलसिले की एक और काली कड़ी है। लेकिन इस घटना से भी अधिक चौंकाने वाली बात है भारतीय राजनीतिक गलियारों में पसरा सन्नाटा। यह चुप्पी उस समय और भी गहरी लगने लगती है जब हम इसकी तुलना वैश्विक स्तर पर होने वाली अन्य घटनाओं से करते हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर अनुभव किया है कि मामला हमारे देश के भीतर का हो या फिर सीमा पार का, यदि वहां जुल्म का शिकार कोई हिंदू है तो तुष्टिकरण की शिकार भारतीय राजनीति में इसका चर्चा तक नहीं होता। लेकिन यदि किसी अल्पसंख्यक पर, खासकर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के साथ सात समुंदर पार भी कोई घटना घटित हो जाए तो भारत में हाय तौबा मच जाती है। हमें याद करना होगा, जब इजरायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष होता है, तो भारत की सड़कों से लेकर संसद तक विरोध की लहर देखी जाती है। मानवाधिकारों के नाम पर रैलियां निकाली जाती हैं और विदेशी धरती पर हो रहे अन्याय के खिलाफ भारतीय नेता मुखर होकर बयान देते हैं। निस्संदेह, निदोर्षों की जान कहीं भी जाए, वह दुखद है। लेकिन प्रश्न तब उठता है जब पड़ोस के देश बांग्लादेश में, जहाँ की संस्कृति और इतिहास भारत से गहराई से जुड़े हुए हैं, वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर अधिकांश नेता मौन साध लेते हैं। क्या ढाका में मरने वाले दीपचंद का जीवन गाजा में मरने वाले किसी व्यक्ति से कम मूल्यवान है? बेशक नहीं, किंतु तुष्टीकरण की राजनीति और चयनात्मक संवेदनशीलता इस भेदभाव को उजागर तो करती ही है। स्पष्ट तौर पर लिखा जाए तो यह सत्य है कि भारतीय राजनीति में सेकुलरिज्म अर्थात पंथ निरपेक्षता की परिभाषा वोट बैंक के समीकरणों में उलझ कर रह गई है। जब किसी घटना में पीड़ित पक्ष बहुसंख्यक समुदाय (हिंदू) से होता है, तो कई राजनीतिक दल इसे दूसरे देश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। इसके विपरीत, यदि पीड़ित पक्ष किसी विशिष्ट अल्पसंख्यक समुदाय से हो, तो उसे तुरंत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों के चश्मे से देखा जाने लगता है। भारतीय राजनीति में नुकसान और फायदे की सोच के चलते ऐसी प्रमुख विसंगतियाँ व्यापक पैमाने पर स्थापित हो गई हैं। इसे क्रियान्वयनों एवंप्रदर्शनों का दोहरा मापदंड भी कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए स्वीडन में कुरान जलाने की घटना पर गौर किया जाना उचित रहेगा। हजारों किलोमीटर दूर उस राष्ट्र में मुस्लिम समाज का पवित्र ग्रंथ कुरान जलाया जाता है, लेकिन भारत के कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन होते हैं। वहीं जब पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ा जाता है, हिंदुओं की हत्या की जाती है, उनके घर जला दिए जाते हैं हिंदू महिलाओं बालिकाओं के बलात्कार होते हैं, तब अधिकांश भारतीय राजनेताओं और राजनीतिक दलों की तीखी एवं त्वरित प्रतिक्रिया नदारद बनी रहती है। ऐसे में आक्रामक बयानों का तो एक प्रकार से अकाल ही पड़ जाता है। फिलिस्तीन के समर्थन में ट्वीट करने वाले मानवाधिकार कार्यकर्ता और राजनेता बांग्लादेशी हिंदुओं के पलायन एवं हत्याओं पर चुप्पी साध लेते हैं। तो क्या यह मान लेना अनुचित है कि भारत में मानवीय संवेदनाओं का राजनीतिकरण हो गया है। किसी भी समाज के लिए यह खतरनाक संकेत है कि उसकी संवेदनाएं पीड़ित की पहचान देखकर जागती हों। यदि अन्याय हुआ है, तो वह अन्याय है चाहे वह मुसलमान के साथ हो या हिंदू के साथ। जब राजनेता और बुद्धिजीवी केवल एक वर्ग के प्रति सहानुभूति दिखाते हैं और दूसरे वर्ग की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो वे समाज में अविश्वास की खाई को और चौड़ा करते हैं। किंतु बुद्धिजीवी लोगों को इस रहस्यमई चुप्पी के निहितार्थ स्पष्ट समझ में आते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्मों पर भारतीय राजनेताओं की यह सुविधाजनक चुप्पी न केवल वहां के अल्पसंख्यकों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि क रपंथी ताकतों को भी बढ़ावा देती है। उन्हें लगता है कि उनके कृत्यों का कोई अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विरोध नहीं होगा। लिखने का आशय यह है कि भारत हो अथवा कोई दूसरा देश, मानवाधिकार सार्वभौमिक होने चाहिए, चयनात्मक नहीं। यदि हम गाजा के लिए आवाज उठाते हैं, तो हमें ढाका के दीपचंद के लिए भी उतनी ही मजबूती से बोलना होगा। भारत के राजनेताओं को यह समझना होगा कि तुष्टीकरण की राजनीति अंततः न्याय के सिद्धांतों की हत्या करती है। जब तक मानवता को धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, तब तक दुनिया से अन्याय समाप्त नहीं होगा।

काजड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में काजड़िया परिवार ने विद्यार्थियों को बांटी हूडी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सेठ हरनारायणदास ईश्वरदास काजड़िया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काजड़ा में सोमवार को काजड़िया परिवार की ओर से हूडी (स्वेट) वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में काजड़िया परिवार के भामाशाहों द्वारा विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव हेतु गर्म वस्त्र प्रदान किए गए। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अजय काजड़िया, सुनिला काजड़िया, श्रीवत्स काजड़िया, अमृता काजड़िया, समर काजड़िया एवं सारा काजड़िया ने लगभग 150 विद्यार्थियों को हूडी वितरित की। इस अवसर पर अनिल शर्मा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूरजगढ़ एवं भामाशाह प्रेरक महेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। हूडी वितरण के उपरांत विद्यालय परिवार द्वारा काजड़िया परिवार के भामाशाहों का सम्मान किया गया। संस्था प्रभारी (उपप्राचार्या) प्रतिज्ञा मान ने काजड़िया परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने सभी भामाशाहों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने काजड़िया परिवार की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में व्याख्याता सही राम, रामफल सिंह गुरावा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ स्वदेशी महोत्सव में बिरला सीएसआर की 'मेवाड़ी स्ट्राबेरी' को राज्यपाल एवं आचार्य बालकृष्ण का मिला आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

चित्तौड़गढ़ में आयोजित स्वदेशी महोत्सव का भव्य उद्घाटन राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाई बागड़े द्वारा किया गया। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने के संकल्प की दिशा में प्रदेश स्तर पर एक सराहनीय पहल है, जिसमें स्थानीय उद्योगों एवं कंपनियों के सीएसआर प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महोत्सव में बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की चन्देरिया इकाई के सीएसआर विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से निर्मित स्वदेशी उत्पादों जिनमें जूट एवं हस्तशिल्प से बने विविध उत्पाद शामिल हैं की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बिरला सीएसआर के सहयोग से स्थानीय किसानों द्वारा उगाई जा रही मेवाड़ी स्ट्राबेरी रही। जिसे किसानों ने स्वयं महामहिम राज्यपाल हरिभाई बागड़े एवं पतंजलि योगपीठ के संस्थापक आचार्य बालकृष्ण को भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों अतिथियों ने स्थानीय किसानों की इस पहल की सराहना करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास बताया। इस अवसर पर बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड चंदेरिया इकाई की ओर से मानव संसाधन विभाग प्रमुख प्रदीप सिंह बघेल एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग प्रमुख बिनोद पालीवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

सेवा ज्योति आर.आर. मोरारका चैरिटेबल ट्रस्ट के 2026 कैलेंडर का जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने किया विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । सेवा ज्योति आर.आर. मोरारका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा साल 2026 के कलेण्डर का विवोचन जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग द्वारा किया गया, इस अवसर पर पूर्व जिला कलेक्टर प्रदीप कुमार बोरडक, अतिरक्ति जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद कैलाश चन्द यादव व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटलाल गुर्जर राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र सिंह सहित गणमान्य अधिकारियों द्वारा कलेण्डर 2026 का विवोचन किया गया। सेवा ज्योति के मुख्य ट्रस्टी गौतम आर आर. मोरारका द्वारा प्रतिवर्ष जिले के राजकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाएँ (विद्यालयों) व सार्वजनिक स्थानों पर यह कलेण्डर वितरण किये जाते है इस अवसर पर सेवा ज्योति के प्रशासनिक अधिकारी संजय शर्मा द्वारा सभी अधिकारीगण का आभार व्यक्त किया गया।

सीएस सुनील शर्मा के ICSI अजमेर चैप्टर चेयरमैन निर्वाचित होने पर स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

द इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद के अंतर्गत अजमेर चैप्टर के चेयरमैन पद पर सीएस सुनील शर्मा के निर्वाचित होने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से जिला प्रभारी राधेश्याम सुखाडिया एवं तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा की अगुवाई में सीएस सुनील शर्मा का दुपट्टा पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। वहीं ब्रह्म चैतन्य संस्थान की ओर से अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र के नेतृत्व में मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस दौरान अनिल सेन, प्रशांत पांडे एवं सुभाष पेंटर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने सीएस सुनील शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अजमेर चैप्टर की गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी।

रामकृष्ण मिशन खेतड़ी द्वारा 123 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित: ठंड में मिली राहत, खिले बच्चों के चेहरे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

शीत ऋतु के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए रामकृष्ण मिशन विवेकानंद स्मृति मंदिर खेतड़ी द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत विद्यार्थियों के लिए एक सराहनीय सेवा कार्य किया गया। मिशन की ओर से स्थानीय विद्यालयों में अध्ययनरत जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क गर्म स्वेटर वितरित किए गए, ताकि कड़ाके की ठंड में उन्हें राहत मिल सके और वे बिना किसी शारीरिक परेशानी के अपना अध्ययन जारी रख सकें। इस सेवा कार्य के अंतर्गत राजकीय सेठ प्रभुदयाल उच्च माध्यमिक विद्यालय टीबा बसई में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ कक्षा 1 से 12 तक के कुल 123 विद्यार्थियों को स्वेटर प्रदान किए गए। स्वेटर पाकर नन्हे-मुन्ने बच्चों और विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से दमक उठे। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने रामकृष्ण मिशन के इस मानवीय दृष्टिकोण की मुक्त कंठ से सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य और उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि मिशन द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले ऐसे कार्य समाज के वंचित वर्ग के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में रामकृष्ण मिशन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को प्रेरणादायक बताया। विद्यालय प्रशासन ने मिशन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अणु सैनी, शिक्षक धरमपाल और अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे। साथ ही जमालपुर सरपंच राम सिंह, पूर्व सरपंच खलीराम, स्वामी सुभगानंद तथा मिशन के समर्पित स्वयंसेवक प्रवीण, विरेण और रामू ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने इस पहल को समाज के लिए एक बेहतरीन उदाहरण करार दिया।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान का 82वां स्थापना दिवस एवं भामाशाह सम्मान समारोह 25 को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान सीकर का 82वां स्थापना दिवस एवं भामाशाह सम्मान समारोह संस्थान के रडमल सिंह किसान आडिटोरियम में 25 दिसंबर को प्रातः 11 बजे आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान पुलिस के सेवानिवृत्त आईजी महेन्द्र चौधरी, विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री नारायण सिंह, सीकर सांसद का. अमराराम जबकि राजाराम मील, विजय पुनिया, रतनलाल मूड़ पूर्व जिला सेशन जज, फूलचंद झाझडिया पूर्व जिला सेशन जज, कर्नल राजेश भूकर, झाबरमल अध्यक्ष ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान सीकर, रामेश्वर जाखड़ पीटीआई, डॉ वेद व्यास पूर्व निदेशक दूरदर्शन एवं प्रसिद्ध साहित्यकार, डॉ श्याम महर्षि अध्यक्ष हिंदी व राजस्थानी भाषा, शोध संस्थान श्रीडूंगरगढ़, डॉ मदनलाल मीणा, इतिहासकार समारोह के अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर अध्यक्ष गणेश बेरवाल, के डी नेहरा, हरिराम मील, सुरेश थालोड़, बनवारी लाल नेहरा, डॉ युद्धवीर सिंह महला, बनवारी लाल बाजियां, सुभाष जाखड़ ओंकार मल मूड़ आदि पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा टीम बनाकर समारोह के आमंत्रण पत्र गणमान्य जनों को देकर व भिजवा कर समारोह में उपस्थित होने का आग्रह किया जा रहा है।

सरकारी स्कूल में स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उदयलाल की ढाणी में विद्यार्थियों के लिए गर्म स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक थे। जबकि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश सैनी, निवर्तमान सभापति जीवण खा एवं पार्षद सुरेश सैनी मंचस्थ थे। स्वेटर वितरण पंच सज्जन सैनी सत्य ज्वेलर्स के सौजन्य से आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला।विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंद विद्यार्थियों तक गर्म वस्त्र पहुँचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश सैनी ने आयोजकों व सहयोगियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के स्वास्थ्य व नियमित अध्ययन के लिए उपयोगी बताया।

केड की सरकारी स्कूल में दो दिवसीय विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय विकास प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

पीएम श्री केडिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केड में दो दिवसीय विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय विकास प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण एवं बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस प्रशिक्षण में केड पंचायत क्षेत्र के नौ विद्यालयों के संस्थाप्रधानों सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान दक्ष प्रशिक्षक राजवीर महला, पीईईओ भाटीवाड़ ने विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका, विद्यालय संचालन से जुड़े दायित्वों तथा समिति के अधिकार क्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं दक्ष प्रशिक्षक इंदु, प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जहाज ने विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया, अध्यक्ष एवं सचिव के चुनाव, उनके कार्यक्षेत्र तथा समिति में अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षिक वातावरण को प्रभावशाली, गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारवान बनाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। विद्यालय प्रबंधन समिति की सचिव व्याख्याता कविता कुमारी ने महिला शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक सिकंदर ने किया, जबकि व्यवस्थापक अध्यापक मुखराम नारनोलिया रहे। बैठक में आशीष जी (निर्वाणो की ढाणी), मनोज जी महला (खटकड़), निर्मला जी (पंजी का बास), सुमन (मीणा की ढाणी), हर्षराज जी (किरपुरा), सुभाष (कांलबेलिया बस्ती), प्रवीण कुमार (बाण्डीयानाला), सुमित्रा (हरिनगर), कृपाल सिंह, चौथा राम, सुरेश वर्मा, कविता कुमारी, सुनील कुमार यादव, मुकेश कुमारी, प्रकाश बामिल, धर्मपाल रावत, पुरुषोत्तम शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, धर्मवीर झाझड़िया, रजनेश कुमार, मगन सिंह शेखावत, कृष्ण कुमार, रितु कुमारी, कृष्णा कुमारी, प्रेमाराम गोदारा, उमेश खेदड़, मुनेश कुमारी, सायर सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहें। बैठक में विद्यालय प्रबंधन को सुदृढ़ करने एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर सार्थक चर्चा की गई।

सहयोग एक पहल संस्थान निकलेगी अरावली बचाओ-जीवन बचाओ के संकल्प के साथ सिंघाना में 26 दिसंबर को शांतिपूर्ण पैदल रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

पर्यावरण संरक्षण और अरावली पर्वतमाला को बचाने के उद्देश्य से सहयोग एक पहल संस्थान, सिंघाना द्वारा आज आयोजित बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि 26 दिसंबर 2025, शुक्रवार को सिंघाना शहर में शांतिपूर्ण पैदल विरोध रैली निकाली जाएगी। संस्थान अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 'अरावली बचाओ - जीवन बचाओ' के संदेश के साथ यह पैदल रैली सुबह 11 बजे से कृष्णा मैरिज गार्डन के सामने से प्रारंभ होकर, सिंघाना थाना के सामने से गुजरते हुए आईसीआईसीआई बैंक के सामने तक जाएगी। रैली के समापन पर राष्ट्रपति के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान की जीवन रेखा है, इसके संरक्षण के बिना पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता। इसीलिए संस्थान द्वारा जनभागीदारी के माध्यम से शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया जा रहा है। मंगलवार की बैठक में संस्थान के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संस्थान अध्यक्ष डी पी सैनी, महासचिव अजीत जांगिड़, कोषाध्यक्ष सियाराम शर्मा, सचिव रफीक खान, संरक्षक विक्रम सैनी, संस्थापक सदस्य ईश्वर सिंह, शिक्षाविद् बनवारी लाल सैनी, सोशल मीडिया प्रभारी रंजीत सैनी, प्रचार मंत्री राजू गराटी, मैक्स नायक, खेमचंद सैनी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहें। संस्थान ने क्षेत्रवासियों, पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होकर अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के इस जनआंदोलन को मजबूती प्रदान करें।

ब्लॉक आयुष चिकित्सालय का हुआ शुभारंभ,भामाशाहों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे की पांच बती के पास खेल मैदान में स्थित राजकीय ब्लॉक आयुष चिकित्सालय का शुभारंभ सोमवार को विधिवत रूप से समारोह पूर्वक हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभाग के उप निदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी और विशिष्ट अतिथि उपखंड अधिकारी सुमन सोनल ने फीता काटकर उसका उदघाटन किया तथा भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। यहां स्कूल की बालिकाओं ने इस बेला पर राष्ट्र गायन और स्वागत गीत गाकर कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी।सब अतिथियों का शाब्दिक सत्कार करते चिकित्सालय के प्रभारी डॉ राकेश माहिच ने उद्घाटन भाषण दिया और सभी का आभार जताया।

इन भामाशाहों का हुआ सम्मान

डॉ. राजेंद्र कुमावत ब्लॉक नोडल अधिकारी, पंचकर्म अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर विनोद सैनी, डॉ.महेश स्वामी, गणेश स्वामी किरोड़ी अध्यापक, मां शाकंभरी सेवा समिति के संरक्षक किशनजी रामू का,किशोर सैनी संजय मिष्ठान भंडार, सूबेदार पोकर मल खेदड़, अभिषेक भाटीवाड, डॉ.महेंद्र माली, जितेंद्र कुमार सैनी व सेवा निवृत्त गोपाल शर्मा। इस मौके पर मुख्यातिथि ने कहा कि आयुर्वेद में इलाज करने में वक्त जरूर लगता है लेकिन आयुर्वेद और योग को अपनाकर हम कई बीमारियों से मुक्ति पा सकते हैं जटिल रोगों से निजात मिलती है। विभाग के उपनिदेशक डॉ जितेंद्र स्वामी ने ब्लॉक में क्षार सूत्र कर्म की शाखा खोलने का आश्वासन दिया। इस दौरान तहसीलदार झुण्डा राम कुड़ी, डॉ अनिमेष गुप्ता प्रभारी सीएचसी, मनफूल महरिया, रामफूल मीणा सीआई व प्रिंसिपल प्रदीप चौधरी,बालिका विद्यालय की प्रिंसिपल रत्ना सैनी, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण राम सैनी गंगाराम मौर्य, पूर्व प्रिंसिपल ताराचंद समोता, बागोली सरपंच जतन जी सैनी, बसंत चौधरी भाजपा नेता पवन शाह, झाबर सिंह शेखावत,डॉ विनोद सैनी एवं उनका स्टाफ, डॉ.रवि प्रकाश जैतपुरा एवं आयुष विभाग के डॉ रोहिताश शर्मा, डॉ राकेश माहिच, डॉ.जाबिर खान, डॉ. नेहा सैनी नर्स सुशीला कुमारी, सुनीता कुमारी, कंपाउंडर दीपक शर्मा, राजकुमार शर्मा महेंद्र कुमार, पूनम कुमारी, पूजा कुमारी और सुशील स्वामी सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ. राजेंद्र कुमावत ने किया।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का सराहनीय सेवा कार्य, जरूरतमंदों को बांटे कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश करते हुए समाजसेवा का पुनीत कार्य किया गया। सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ट्रस्ट की ओर से नेहरा पहाड़ रोड स्थित कच्ची बस्ती में रहने वाले गरीब एवं असहाय परिवारों के 25 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए।ट्रस्ट के झुंझुनू प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने बताया कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट निरंतर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य कर रहा है और आगे भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए ऐसे सेवा अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में कंबल वितरण जैसे कार्य गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं। इस सेवा अभियान में कविता सिरोहा ने अपनी ओर से कंबलों का सहयोग कर पुण्य कार्य में सहभागिता निभाई। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने उनके सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि भविष्य में भी उनका सहयोग इसी प्रकार जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान पार्षद सीताराम घोटड ने एक दिव्यांग महिला को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया तथा शीघ्र ही उसे सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कही। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के सक्रिय सहयोगी नरोत्तम दुलगच, प्रदीप दुलगच एवं सुरेश सीमार भी उपस्थित रहे और कंबल वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

रामानुजन की याद में नेशनल मैथेमेटिक्स दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स द्वारा, नेशनल मैथेमेटिक्स डे मनाया गया। यह दिन गणित के महान विचारक श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन को याद करते हुए मनाया जाता है। कार्यक्रम का आरम्भ सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पण द्वारा किया गया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों ने विद्यार्थी जीवन में मैथ्स के अलग अलग पक्ष को अपने डांस के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत किया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक डॉ. एस.के दूबे ने कहा कि रामानुजन एक महान और प्रभावशाली व्यक्तित्व थे। उन्होंने लगभग 13- 14 साल की कम उम्र में ही गणित के कई सूत्र दिए। अपने व्यक्तव्य में आगे एस. के दूबे कहते हैं कि हमारा दिन ही मैथ्स से शुरू होता है भले ही हम इसके जानकार हों या नहीं हों। मैथ्स विभाग की अध्यक्ष मीनू नैन ने इस दिन के महत्व को सबके सामने रखा। उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को सबके सामने रखा। मैथ्स विभाग की अतिथि शिक्षक सिमरन ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि भारत में गणित की परम्परा हमेशा से रही है।आर्यभट्ट से लेकर रामानुजन तक हम गणित में हमेशा आगे रहे।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यार्थियों ने मैथ्स से जुड़ी एक छोटी सी नाट्य प्रस्तुति दी। एम.सी ए. के विद्यार्थी आशीष ने मैथ्स दिवस पर रामानुजन पर भाषण दिया। जिसमें उनके जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने बताया कि अन्य विषयों में इनकी रुचि कम थी वह मैथ्स में तेज थे। कैंपस के प्रो वीसी डॉ पवन त्रिपाठी ने कहा कि मैथ्स अक्सर लोगों को कठिन लगता लेकिन हमें विषय से डरना नहीं सीखना है। रामानुजन कम संसाधनों और विषम आर्थिक स्थितियों के बाद भी हमें बहुत कुछ सीखा गए, हम सबको उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। कुलसचिव एम.आई. हाशमी ने कहा कि यह वही विषय है जिसने मुझे फेलियर भी दिखाया है लेकिन इससे प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह ऐसा विषय है जिसके बिना कुछ भी संभव नहीं है, यह हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.अरविंद, डॉ. सुनील, डॉ. प्रभात, डॉ. शर्मीला ने मैथ्स से जुड़े अपने जीवन के अनुभवों को सभी से साझा किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष मीनू नैन द्वारा किया गया।

कड़ाके की ठंड में राहत: लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने सुथार बस्ती में बांटे 34 कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे सेवा प्रकल्प के तहत मंगलवार को एक और मानवीय पहल की गई। विद्या निकेतन स्कूल के पास स्थित सुथार बस्ती में कड़ाके की ठंड को देखते हुए जरूरतमंद परिवारों को 34 कंबलों का वितरण किया गया। नगर पालिका के वरिष्ठ पार्षद राजेंद्र पाल सिंह कोच के सुझाव पर ट्रस्ट ने सुथार बस्ती में राहत पहुंचाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पार्षद कोच, तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा और युवा नेता रवि सोनी ने बस्ती के लोगों को कंबल ओढ़ाकर उन्हें सर्दी से राहत दिलाई। तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने उपस्थित जनसमूह को ट्रस्ट का ध्येय गीत सुनाया और उसका महत्व समझाया। उन्होंने जानकारी दी कि ट्रस्ट द्वारा चिड़ावा में अब तक पांच चरणों में अलग-अलग बस्तियों में जाकर लगभग 160 कंबल वितरित किए जा चुके हैं।

वरिष्ठ पार्षद राजेंद्र पाल सिंह कोच ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट अपने नाम के अनुरूप ही कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले छह वर्षों से ट्रस्ट गरीबों को भोजन, गर्म कपड़े, और दिव्यांगों को बस-रेल पास सहित सरकारी सहायता दिलाने के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला व तहसील प्रभारी ने उपस्थित अतिथियों का ट्रस्ट का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान सुखाड़िया ने ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फतेहाबाद जिले में एडवोकेट सुवीर सिद्धू ने किया जमकर प्रचार, मिल रहा है भारी समर्थन

पंजाब व हरियाणा बार काउंसिल चुनाव 2026: बार काउंसिल चुनाव में सुवीर सिद्धू के समर्थन में फतेहाबाद, रतिया व टोहाना को मिल रहा है भारी समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा, चंडीगढ़ के आगामी चुनावों को लेकर अधिवक्ता वर्ग में चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सुवीर सिद्धू नें अधिवक्ताओं से मतदान की अपील की गई है। बता दें कि सुवीर सिद्धू, डॉ. अनमोल रत्तन सिद्धू के सुपुत्र हैं, जो पंजाब के पूर्व एडवोकेट जनरल, हरियाणा के सीनियर डिप्टी एडवोकेट जनरल, बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व चेयरमैन, पूर्व सचिव, सदस्य बार काउंसिल तथा वर्तमान में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य रह चुके हैं। विधि क्षेत्र में उनके परिवार का वर्षों पुराना योगदान रहा है। हाल ही में सुवीर सिद्धू ने टोहाना, रतिया और फतेहाबाद का दौरा कर जिला न्यायालयों के अधिवक्ताओं से मुलाकात की, जहां उन्हें उत्साहजनक समर्थन मिला। अधिवक्ताओं ने उनके अनुभव, पारिवारिक पृष्ठभूमि और बार के हितों के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता पर भरोसा जताया। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने भी एडवोकेट सुवीर सिद्धू को समर्थन देने की घोषणा की तथा आश्वासन दिया कि हरियाणा में एडवोकेट सुवीर सिद्धू रिकॉर्ड मतों से पंजाब व हरियाणा बार काउंसिल में सबसे अधिक मतों से विजयी होंगे।आज एडवोकेट सुवीर सिद्धू ने फतेहाबाद, रतिया व टोहाना में चैम्बर टू चैम्बर तथा व्यक्तिगत रूप से जन सम्पर्क कर आगामी बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा चुनाव में प्रथम वरियता के लिए समर्थन मांगा जिस पर अधिवक्ताओं ने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती में पद बढ़ाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

राज्य सरकार द्वारा आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा में पदों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रदेश के बेरोजगारों ने राज्य सरकार से मांग की। जानकारी देते हुए बताया कि 19 से 21 सितंबर तक आयोजित हुई चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा में 53 हजार पदों पर संपन्न हुई है। उन्होंने बताया की अब विभागों की वर्तमान स्थिति में लगभग 24000 पद विशेषतः शिक्षा विभाग,चिकित्सा विभाग, पंचायती राज, राजस्व और अन्य विभागों में रिक्त है। सरकार को चतुर्थ श्रेणी में पदों की संख्या को बढ़ाकर बेरोजगारों को राहत प्रदान करने की मांग की। लोकेंद्र निठारवाल ने बताया की सरकारी कार्यालयों में चपरासी के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। जिससे विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं, यदि इन रिक्त पदों को भी शामिल किया जाए तो सरकारी कार्यप्रणाली में सुधार होगा और हजारों युवाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा।जगदीश, नरेंद्र घोसलिया, नागरमल, नरेश, शुभम चौधरी, कुलदीप ,भुपेंद्र सिंह, ओम प्रकाश कई अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से इस भर्ती में पद बढ़ाने की मांग की है।

समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्थाओं का हुआ सम्मान समारोह

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्थाओं व गणमान्य नागरिकों के सम्मान हेतु प्रेस क्लब टोहाना की ओर से पैराडाइज पैलेस में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के निर्माण में सकारात्मक और रचनात्मक कार्य करने वाली संस्थाएं वास्तव में समाज की रीढ़ होती हैं। ऐसे सम्मान समारोह न केवल उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया और सामाजिक संस्थाएं मिलकर समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल, अनिल मेहता, आईएमए प्रधान डॉ. दीपांश, भूपेंद्र कंबोज, रणबीर समैण, जोरा सिंह, दलजीत समैण और नरेश नैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रेस क्लब टोहाना की इस पहल की सराहना करते हुए समाज सेवा में जुटी संस्थाओं को निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला द्वारा टोहाना की 60 से अधिक सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक व सेवा संस्थाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित संस्थाओं में मानव सेवा संगम, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था, अपूर्वा फाउंडेशन, लाला छज्जू राम पहाड़िया मेमोरियल ट्रस्ट, सीनियर सिटीजन संगठन, सीआईए स्टाफ टोहाना, शहर थाना पुलिस, सदर थाना पुलिस, सच्ची चाय सेवा समिति, सब्जी मंडी एसोसिएशन, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, हरियाणा व्यापार मंडल, दैनिक रेल यात्री एसोसिएशन, अनुभवी स्वास्थ्य मित्र संगठन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, भगवान परशुराम सेवा समिति सहित अनेक संस्थाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से भी भव्य बनाया गया। ऋग्वेदा इंटरनेशनल स्कूल, महात्मा बुद्ध स्कूल, श्री राम ग्लोबल स्कूल और गुरुनानक स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं एसएस स्कूल के विद्यार्थियों ने वालंटियर के रूप में कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर प्रेस क्लब टोहाना के संरक्षक परमजीत तूर, प्रधान मोनिका सैनी, उप प्रधान सुशील सिंगला, कैशियर नवीन, सचिव लक्की हांडा सहित सुरेंद्र गिल, कर्ण समैण और सोनिया समेत क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

फतेहाबाद के गांव भूथन कलां में किसान वैज्ञानिक संवाद शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद उपमंडल के गांव भूथन कलां में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के गन्ना अनुभाग द्वारा किसान वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गन्ना विकास अधिकारी डॉ. रामेश्वर श्योकंद ने की। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को टीएमएस योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि विभाग द्वारा गन्ने की विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिशशुदा किस्मों की बुवाई पर प्रोत्साहन स्वरूप 3000 रुपये प्रति एकड़ की दर से सहायता राशि प्रदान की जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है तथा इसके पश्चात कृषि विभाग के पोर्टल https//agriharyana.gov.in/ पर टीएमएस योजना के अंतर्गत आवेदन किया जा सकता है। योजना के अंतर्गत एक परिवार पहचान पत्र आईडी पर अधिकतम 2 हेक्टेयर तक लाभ दिया जा रहा है तथा यह योजना पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लागू है। प्रशिक्षण सत्र में किसानों को गन्ने में लगने वाले कीट-पतंगों, रोगों एवं उनके नियंत्रण उपायों की जानकारी दी गई। किसानों को गन्ने की खड़ी फसल का भ्रमण भी करवाया गया। डॉ. ओपी नेहरा ने गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक तकनीकी जानकारी प्रदान की। किसानों द्वारा अन्य रबी फसलों से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का वैज्ञानिकों ने मौके पर समाधान किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. शमशेर सिंह, सुनील कुमार, प्रदीप कुमार, राकेश कुमार, दलीप सिंह, रजत कुमार, जगदीश, कुलदीप, सुभाष आदि उपस्थित रहें।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर किसान ट्रैक्टर रैली का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर मंगलवार को सीकर में जाट समाज द्वारा विशाल ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के माध्यम से किसानों ने चौधरी चरण सिंह को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके संघर्ष, विचारों और किसान हितों के प्रति समर्पण को नमन किया।

ट्रैक्टर रैली जाट समाज कार्यालय से प्रारंभ होकर किसान सर्किल, वीर तेजा सर्किल, बजरंग कांटा, कल्याण सर्किल, जाट बाजार होते हुए चौधरी चरण सिंह सर्किल पर जाकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में किसानों का उत्साह देखते ही बनता था और 'चौधरी चरण सिंह अमर रहें', 'किसान एकता जिंदाबाद' जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा।इस अवसर पर पिपराली के पूर्व प्रधान सीताराम खीचड़ ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि देश की रीढ़ मानते हुए उन्हें राजनीति के केंद्र में लाने का कार्य किया। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक किसान मजबूत नहीं होगा, देश मजबूत नहीं हो सकता। 'उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों के हक, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए समर्पित कर दिया। आज की यह रैली उनके उन्हीं विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प है।रैली में जाट समाज संरक्षक नरेंद्र घायल शेर सिंह सुंडा, युवा नेता मुकुल खीचड़, आरएलडी के प्रदेश महासचिव राजपाल चौधरी, मंडी उपाध्यक्ष महावीर बाजिया, वीर तेजा सेवा संस्थान के सावरमल मुवाल, चौधरी चरण सिंह ग्रामीण संस्थान के पूर्णमल सूंडा सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे और किसानों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में चोखाराम बुलडक, रणजीत खीचड़, धर्मेंद्र खीचड़, रामावतार खीचड़, जिला परिषद सदस्य रामचंद्र बगड़िया, शिव भगवान बगड़िया, जाट समाज जिला अध्यक्ष निखिल सुंडा, रामनिवास खीचड़, डॉ. झाबरमल गढ़वाल, सरपंच झाबर ओला, प्रदीप सारण, मोहन ओला, कुंडली भोलाराम रूलानिया, गोलू सीकर, पवन खीचड़, अभिनव जाखड़, महिपाल बाजिया, विवेक ढाका, संदीप खीचड़, महिपाल खीचड़, यशवंत सामोता, मोहित बगड़िया, मोनू गोकुलपुरा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन चौधरी चरण सिंह के आदर्शों पर चलने और किसान हितों की रक्षा के संकल्प के साथ किया गया।

युवा उद्यमी कन्हैया के नेतृत्व में प्रवासियों ने किया महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास का अवलोकन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

प्रवासियों के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ का अवलोकन किया तथा छात्रावास की योजना, निर्माण कार्य व संचालन व्यवस्था से प्रभावित होते हुए कहा कि लक्ष्मणगढ़ जैसे छोटे से शहर में बच्चों के भविष्य निर्माण व कैरियर के लिए छात्रावास की इस तरह की शानदार व्यवस्था बड़े बड़े शहरों में भी देखने को नहीं मिलती उन्होंने कहा वर्तमान परिपेक्ष्य में बच्चों के लिए की जा रही व्यवस्था, लाइब्रेरी, निर्माण व योजना की प्रशंसा की तथा काफिले तारीफ करार देते हुए छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ का धन्यवाद दिया। युवा उद्यमी कन्हैया लाल सैनी व श्रीमती पूनम सैनी के नेतृत्व में आएं प्रतिनिधि मंडल में मुम्बई के उधोगपति व्यवसायी शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल में अनिल देवड़ा, अजय सिंघानिया, रविन्द्र मित्तल, निमेश गुप्ता, शीतल सिंघानिया, सीमा मित्तल,सुधा देवड़ा, नेहा गुप्ता आदि थे। इससे पहले प्रतिनिधि मंडल ने सालासर बालाजी, खाटूश्यामजी, राणी शक्ति झुंझुनूं के दर्शन किए तथा श्री श्रद्धा नाथजी के आश्रम में जाकर समाधि के धोक लगाकर मंगल कामना की इस दौरान प्रतिनिधि मंडल विजय रघुनाथ, बिदावद के मंदिर पहुंच भगवान राघवेन्द्र के दर्शन किए तथा मंदिर महंत दिलीपदास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया प्रतिनिधि मंडल ने छात्रावास स्थित मंदिर में दर्शन कर मंगल कामना की। इससे पूर्व छात्रावास पहुंचने पर प्रतिनिधि मंडल का छात्रावास के पदाधिकारियों व विधार्थियों ने स्वागत किया। छात्रावास समिति की ओर से मनोज राकसिया, बाबूलाल सैनी के नेतृत्व में पदाधिकारी व विधार्थियों ने स्वागत करते हुए सैनी दम्पति को छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया।

विद्यार्थियों ने प्राप्त कि साइबर क्राइम और रोड सेफ्टी के बारे में जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । रा. उ. मा. वि. छापोली मे विद्यार्थियों को साइबर क्राइम और रोड सेफ्टी के बारे में मंगलवार को जानकारी देने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की ग ई। जिसमें उदयपुरवाटी थानाधिकारी रामपाल मीणा ने साइबर क्राइम, ड्रग्स के दुरूपयोग, डिजिटल अरेस्ट और रोड सेफ्टी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और विद्यार्थियों के इन कार्यों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्रधानाचार्य पवन मीणा ने की। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र जालोपिया ने किया। इस अवसर पर कैलाश चंद मीणा, अशोक बॉयल, कमलेश कुमावत, सुरेश सैनी, विकास निर्मल, अनिल जांगिड़, मोहम्मद सलीम, सरिता गुप्ता, सरोज, केशर लाल सैनी, हरेंद्र वर्मा, कांस्टेबल विक्रम सहित समस्त स्टॉफ और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सांसद खेल महोत्सव युवाओं को दे रहा नई दिशा- सुभाष बराला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को गांव समैन में समापन समारोह में ऑनलाइन करेंगे संबोधित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में शुरू किया गया सांसद खेल महोत्सव युवाओं के लिए एक नई दिशा और नया भविष्य गढ़ने का माध्यम बन रहा है। यह आयोजन खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के साथ-साथ युवाओं को नशे व ऑनलाइन गेम्स जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। मंगलवार को किसान विश्राम गृह, टोहाना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद बराला ने कहा कि भारत वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दिशा में अग्रसर है और सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन भावी ओलंपिक खिलाड़ियों को तैयार करने की मजबूत नींव रख रहे हैं। 25 दिसंबर को अटल जयंती पर होगा सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन पीएम मोदी करेंगे।

2036 ओलंपिक की तैयारी में सांसद खेल महोत्सव बनेगा मजबूत मंच

प्रधानमंत्री खिलाड़ियों को ऑनलाइन करेंगे संबोधित

राज्यसभा सांसद ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव का विधिवत समापन 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर गांव समैन के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलाड़ियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त से सांसद खेल महोत्सव के लिए पंजीकरण शुरू किया गया था, जिसमें सिरसा लोकसभा क्षेत्र के करीब 45 हजार युवाओं ने विभिन्न खेलों के लिए पंजीकरण करवाया।

दमकौरा स्टेडियम से हुई शुरुआत, 30 स्टेडियमों तक पहुंचा खेल महोत्सवः

सांसद बराला ने बताया कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र के खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत 21 सितंबर को टोहाना के दमकौरा स्टेडियम से हुई, जहां भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री सतीश पूनिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके बाद ब्लॉक, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर चरणबद्ध ढंग से प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रतिया में पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, नरवाना में कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, कालांवाली में डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल मिढ़ा, सिरसा में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्वयं भी 7 विधानसभाओं के खेलों में पहुंचकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

लोकसभा स्तरीय ग्रैंड फिनाले में 3604 खिलाड़ी हुए शामिलः

विधानसभा स्तर की प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ी 13 दिसंबर को एमएम कॉलेज फतेहाबाद के मैदान में आयोजित लोकसभा स्तरीय ग्रैंड फिनाले में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। लोकसभा स्तर पर विभिन्न खेलों में कुल 3604 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

कबड्डी से बॉक्सिंग तक, 1500 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

सांसद ने बताया कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र की नौ विधानसभा क्षेत्रों में करीब 1500 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कबड्डी, फुटबॉल, खो-खो, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग तथा एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं शामिल रहीं।

खेलोगे तो भी बनोगे नवाब' को साकार कर रहे हरियाणा के युवाः

सांसद बराला ने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने खेलों में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आज युवा 'खेलोगे तो भी बनोगे नवाब' की कहावत को साकार कर रहे हैं। खिलाड़ी को सरकार जहाँ नगद पुरस्कार देकर सम्मानित कर रही हैं वही उनके भविष्य को भी सुरक्षित करने के लिए ग्रेडेशन के आधार पर सरकारी नौकरियाँ दे रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से नशे और ऑनलाइन गेम्स से दूर रहकर खेल भावना से खेलने की अपील की। उन्होंने खिलाड़ियों से नशे और ऑनलाइन गेम्स से दूरी बनाकर खेल भावना से खेलने का आह्वान किया तथा नागरिकों से अपील की कि वे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए उन्हें खेलों की ओर प्रेरित करें।

लोकसभा स्तर पर 71 हजार तक का पुरस्कार, खिलाड़ियों को किया सम्मानितः

उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित खेल में लोकसभा स्तर पर विजेता टीम को 71 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 41 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया है । बॉक्सिंग और एथलेटिक्स में विजेता खिलाड़ियों को प्रथम पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय को 7100 और तृतीय को 3100 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया है। सांसद ने बताया कि युवाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 'मेडल ल्यावांगे' गीत भी लॉन्च किया गया है। इस अवसर पर रमन मड़िया, जगमेल कटारिया, जयदीप बराला, अनीता मेहता, चन्दुलाल सोनी सहित अनेक पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

खेल सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता, सांसद निधि से दी गई ग्रांट, दमकौरा स्टेडियम बनेगा खेलो इंडिया सेंटर

राज्यसभा सांसद ने कहा कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र के 30 स्टेडियमों में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए सांसद निधि से ग्रांट भी दी गई है। दमकौरा स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक सहित सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहां अन्य राज्यों के खिलाड़ी भी अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि जिला फतेहाबाद में खेलो इंडिया सेंटर को भी सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है और दमकौरा स्टेडियम में सभी आवश्यक सुविधाएं होने के कारण यही सेंटर स्थापित किया जाएगा।

तोदी महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन हुई विभिन्न स्पर्धाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में अंतर सदन खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने बताया की मंगलवार को एथलेटिक्स सहित अन्य प्रतियोगिताओं के कड़े मुकाबले में निम्नानुसार परिणाम रहे। छात्र वर्ग 100 मीटर दौड़ में बीए प्रथम के छात्र अनिल कुमार ने प्रथम, शाहिद ने द्वितीय जबकि गौरव शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बीए प्रथम के मोहम्मद अली ने प्रथम, द्वितीय पर सचिन डोटासरा एवं द्वितीय वर्ष के अनिल कुमार तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार 400 मीटर दौड़ में प्रथम वर्ष के छात्र सचिन डोटासरा प्रथम, द्वितीय स्थान पर मोहम्मद जासीम एवं बीए द्वितीय वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।1600 मीटर दौड़ में बीए प्रथम के मोहम्मद जासीम ने प्रथम स्थान, सचिन डोटासरा ने द्वितीय जबकि बीए द्वितीय वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष के छात्र पंकज सिंह प्रथम स्थान पर अंकित द्वितीय स्थान पर एवं नितेश मीणा तृतीय स्थान पर रहें। तश्तरी फेंक प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष के अदनान प्रथम स्थान पर बीए तृतीय वर्ष के अंकित द्वितीय एवं बी ए प्रथम के पीयूष जांगिड़ तृतीय स्थान पर रहें। इसी प्रकार भाला फेंक प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष के छात्र अंकित प्रथम स्थान पर बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र रवि शर्मा द्वितीय स्थान पर एवं पीयूष जांगिड़ तृतीय स्थान पर रहे।छात्रा वर्ग बैडमिंटन प्रतियोगिता में बीकॉम द्वितीय के देवेंद्र कुदाल प्रथम स्थान पर जबकि एमएससी पूर्वार्ध गणित के गौरव मिश्रा द्वितीय स्थान पर रहे।छात्रा वर्ग वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सरोजिनी नायडू सदन की टीम विजेता जबकि लक्ष्मीबाई सदन की टीम उप विजेता रही। बास्केटबॉल छात्र वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में रमन सदन की टीम विजेता जबकि नेहरू सदन की टीम उपविजेता रही। छात्रा वर्ग कबड्डी फाइनल का मैच कल्पना चावला सदन ने अपने नाम किया जबकि लक्ष्मीबाई सदन की टीम उपविजेता रही।छात्र वर्ग में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में नेहरू सदन की टीम विजेता जबकि गांधी सदन की टीम उपविजेता रही।छात्रा वर्ग बैडमिंटन में बी एससी द्वितीय वर्ष की अक्षिता सैनी प्रथम एवं खुशी शर्मा द्वितीय स्थान पर रही।प्रतियोगिताओं के दौरान प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, सचिव आशकरण शर्मा, प्रशासक प्रमेंद्र सिंह शेखावत, शारीरिक शिक्षक लिछमण सिंह, सुरेंद्र सिंह, स्टाफ सदस्य पंकज शर्मा सहित सभी सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

द्वितीय वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।1600 मीटर दौड़ में बीए प्रथम के मोहम्मद जासीम

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में 3 जनवरी को आयोजित होंगे विशेष कार्यक्रम

शेखावाटी के सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर ओमनाथ महाराज के सानिध्य में व समाजसेवी अनिल कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित होंगे कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में 03 जनवरी 2026 शनिवार पुर्णिमा पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस आशय का निर्णय निर्माण समिति की सोमवार को छात्रावास प्रांगण में आयोजित मीटिंग में लिया गया। मीटिंग में संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट झाबरमल माली, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, फाइनेंस एडवाइजर अनिल मैनेजर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल सैनी मावलियों की ढाणी, प्रवक्ता मनोज राकसिया, बाबूलाल सैनी एवं छात्रावास के विधार्थियों की मौजूदगी में लिया गया। निर्माण समिति के प्रवक्ता मनोज राकसिया ने बताया कि छात्रावास प्रांगण में 03 जनवरी 2026 को देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती, सामूहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति व आरती, पोष बडा भोजन प्रसादी व भजन संध्या का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि आयोजित कार्यक्रम शेखावाटी के सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर ओमनाथ जी महाराज के सानिध्य में व समाजसेवी भामाशाह अनिल बागड़ी की अध्यक्षता में होंगे। उन्होंने बताया कि आयोजित में 03 जनवरी शनिवार को अपराह्न 3 से शाम 4 बजे तक देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले को पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा जबकि शाम 4 बजे से शाम 6 तक छात्रावास स्थित मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति, आरती व भगवान को पोष बडा प्रसाद का भोग कार्यक्रम होगा तथा शाम 6 बजे से छात्रावास में पोष बड़ा की भोजन प्रसादी का कार्यक्रम होगा जबकि छात्रावास में रात्रि 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक भजन संध्या का आयोजन होगा।

टोहाना के मॉडल के. एम. विद्यालय टोहाना सात दिवसीय शिविर शुरू

सात दिवसीय शिविर में कक्षा बारहवीं के 100 स्वयंसेवक ले रहे हिस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मॉडल के. एम. विद्यालय टोहाना में मंगलवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ किया गया। सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी सत्यपाल फोगाट व प्रिंसिपल रणधीर पूनिया द्वारा दीप प्रज्वलन और योग के महत्व पर भाषण के साथ हुआ। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा स्वयंसेवको को योग व खेलों के बारे बताया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य शिविर में हिस्सा ले रहे स्वयंसेवको शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। एनएसएस के इन्चार्ज अनिल कुमार द्वारा स्वयंसेवको को एनएसएस के बारे विस्तार रूप से जानकारी दी। प्रशिक्षण योग विशेषज्ञों ने छात्रों को ताड़ासन, वृक्षासन और सूर्य नमस्कार जैसे महत्वपूर्ण आसनों का अभ्यास कराया। प्राणायाम तनाव मुक्ति के लिए अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम के विशेष सत्र आयोजित किए गए। स्वयंसेवकों की भूमिका एनएसएस स्वयंसेवकों ने न केवल योग सीखा, बल्कि अनुशासन बनाए रखने और स्वच्छता अभियान में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।प्रिंसीपल रणधीर पूनिया ने बताया कि एनएसएस टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। एनएसएस के इन्चार्ज नीति मैहता ने शिविर के समापन पर विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में योग को अपनाने का संकल्प दिलवाया। मैहता ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य स्कूल के विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यो का ज्ञान देना होता है। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए.एन. बहुगुणा, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, तरसेम सिंह, अमन पूनिया, धर्मवीर सिंह, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, सिमरन, जयभगवान, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल, व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

पुलिस थाना पचेरी कलांः मारपीट,अपहरण, तोड़फोड़ व आगजनी के मामले में 3 महिलाओं सहित 9 आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

पुलिस थाना पचेरी कलां क्षेत्र में मारपीट, अपहरण, तोड़फोड़ तथा दुकान में आग लगाने की गंभीर घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने 3 महिलाओं सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थानाधिकारी बनवारी लाल यादव के नेतृत्व में की गई।परिवादी सुंदर पुत्र अमर सिंह जाति अहीर निवासी सोहली ने 14 अक्टूबर 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार उसकी पेंचर व सर्विस स्टेशन की दुकान गांव से दुलोठ की ओर मैर सड़क पर स्थित है। घटना के दिन वह अपने चाचा और अन्य कर्मचारियों के साथ दुकान पर कार्य कर रहा था। शाम के समय उसकी माता संतोष देवी, नीतू देवी, मंजू देवी (भाभी) तथा भाई सुमेर सिंह दुकान पर पहुंचे। इसी दौरान टिंकू, मोनू, धर्मेन्द्र, आशीष, धन्ना सहित अन्य लोगों ने एकराय होकर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ की। जान बचाने के लिए पीड़ित पक्ष ने दुकान का शटर बंद किया, लेकिन आरोपियों ने शटर व दरवाजा तोड़कर मारपीट की, बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों को क्षतिग्रस्त किया तथा नीतू देवी का अपहरण कर लिया। जाते समय आरोपियों ने दुकान में आग भी लगा दी। इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी बनवारी लाल के निर्देशन में गहन अनुसंधान किया गया। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए और गवाहों से पूछताछ की गई। आरोपियों को दस्तयाब कर पूछताछ करने पर उन्होंने जुर्म स्वीकार किया, जिसके बाद कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले में अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में कृष्णा देवी पत्नी विजयपाल उम्र 50 वर्ष, मुकेश देवी उर्फ निशा पत्नी लालचंद उम्र 40 वर्ष, सुमन पत्नी सुरताराम उम्र 30 वर्ष, सुरताराम पुत्र फूलचंद उम्र 50 वर्ष, विजयपाल पुत्र फूलचंद उम्र 70 वर्ष, धर्मेन्द्र पुत्र बहादूर सिंह उम्र 33 वर्ष, सतीश उर्फ टिंकू पुत्र लालचंद उम्र 19 वर्ष, राजेन्द्र पुत्र स्व. चंदगीराम उम्र 45 वर्ष तथा अनिल उर्फ धन्ना पुत्र धर्मपाल उम्र 33 वर्ष सभी निवासी सोहली शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

फैन ने रोहित शर्मा का हाथ पकड़ने की कोशिश कीः

नाखून लगा, जयपुर में प्रैक्टिस सेशन देखने उमड़ी भीड़, 2 घंटे जमकर शॉट्स लगाए

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में हिस्सा लेने भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े नाम जयपुर पहुंच चुके हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुंबई टीम के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के एसएमएस ग्राउंड में जमकर प्रैक्टिस की। प्रैक्टिस ग्राउंड में पहुंचते वक्त एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन रोहित आगे बढ़ गए। मुंबई टीम से खेल रहे रोहित शर्मा ने करीब 2 घंटे तक प्रैक्टिस की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस, टाइमिंग और शॉट सिलेक्शन पर खास ध्यान दिया। रोहित ने तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजों का भी सामना किया। अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की। अभ्यास के दौरान उनके हर बेहतरीन स्ट्रोक पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

फैन ने हाथ पकड़ने की कोशिश की

रोहित शर्मा के अभ्यास सत्र को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैन्स स्टेडियम पहुंचे। जैसे ही रोहित नेट्स में उतरे फैन्स मोबाइल में कैद करते नजर आए। इस दौरान एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश भी की। रोहित के हाथ पर नाखून लग गया। वहीं, काफी फैन्स उनकी एक झलक पाने के लिए काफी देर पहले ही स्टेडियम पहुंच गए थे। ऐसे में रोहित की मौजूदगी ने विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर जयपुर में क्रिकेट का माहौल पूरी तरह से बना दिया है। दरअसल, विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले कल से जयपुर के अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। इस दौरान मुंबई, महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड की टीमें अपने-अपने मुकाबले खेलेंगी। इनमें महाराष्ट्र और पंजाब का मैच अनंतम ग्राउंड, छत्तीसगढ़ और गोवा का मैच जयपुरिया ग्राउंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का मैच केएल सैनी स्टेडियम में और मुंबई और सिक्किम का मैच एसएमएस स्टेडियम में खेला जाएगा।

आज से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे रोहित, विराट और ऋषभ सहित कई सितारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत सहित कई स्टार क्रिकेटर बुधवार से यहां शुरु होने वाले घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे। ये टूर्नामेंट एकदिवसीय प्रारुप में खेला जएगा। ऐसे में इन सभी क्रिकेटरों का इससे अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। आजकल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच कम होते हैं , ऐसे में इससे रोहित और विराट को विशेष लाभ होगा कयोंकि इन दोनो ने ही अन्य प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। इस टूर्नामेंट से इन दोनो को ही अपनी लय बनाये रखने का अवसर मिलेगा। दोनो का ही लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल की शुरुआत के लिए होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी दावेदारी बरकारार रखना रहेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित, विराट और ऋषभ के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा भी खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने हाल में सभी खिलाड़ियों को फिट होने पर घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

रोहित इसमें एक दशक जबकि विराट 15 साल बाद खेलते दिखेंगे। ये दोनो इसलिए भी इसमें खेल रहे हैं ताकि 2027 एकदिवसीय विश्वकप की दौड़ में बने रहें। इन दोनो को पता है कि स्टार खिलाड़ी होने के बाद भी टीम में कई नई प्रतिभाएं हैं, ऐसे में इनपर अपने को बेहतर साबित करने का दबाव रहेगा।

रोहित ने कहा है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। वहीं कोहली ने अभ्यास किया और कहा कि वह दिल्ली की ओर से दो से तीन मैच खेलेंगे।

दिल्ली एलीट ग्रुप डी में अपना पहला मैच बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ खेलेगा। यह मैच या तो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में या बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके बाद दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवीसीय मैचों के लिए उनके चयन पर कोई विशेष असर नहीं पड़ेगा पर कोहली और रोहित जानते हैं कि युवा खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन की टीम में वापसी से साफ है कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में खराब प्रदर्शन नुकसान देह होगा।

रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य स्टा खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसमें दिल्ली के कप्तान ऋषभ और शुभमन जैसे खिलाड़ी हैं। ऋषभ पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। यही हाल शुभमन का भी है। वह भी टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं पर सीमित ओवरों की रन नहीं बना पा रहे हैं। इसी कारण ऋषभ की तरह व भी टी20 विश्वकप से वह बाहर है। अब ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन कर चयनकर्तओं के सामने आने को साबित करना चाहेंगे। करके राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। इस ऋषभ ने अगस्त 2024 के बाद से एकदिवसीय या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेला है।

वहीं शुभमन को भी उपकप्तान होने के बाद भी टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वह पंजाब की ओर से खेलते हुए हुए बेहतर प्रदर्षन करना चाहेंगे। करेगा। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले एक अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट में चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी।

वहीं भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में ये भी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने की दावेदारी पेश करेंगे।

पीएम मोदी से मिले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा... पत्नी भी रही मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास (7) से तस्वीरें सामने आई हैं, जहां उन्होंने भारतीय स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर की मेजबानी की। तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ी के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत करते दिख रहे है।

बात दें कि नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा के लिहाज से 2025 का साल उनके लिए मिला-जुला रहा। उनके सीज़न की एक बड़ी उपलब्धि दोहा डायमंड लीग में दिखाई दी। जहां उन्होंने 90 मीटर का बहुप्रतीक्षित आंकड़ा छू लिया। 90.23 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो एक व्यक्तिगत उपलब्धि थी, हालांकि यह स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के बेहतर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे नीरज को दूसरे स्थान पर रहना पड़ा है।

हार के बावजूद, नीरज ने अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक दोनों में जीत हासिल की। डायमंड लीग सीजन के दौरान, वे दौड़ रैंकिंग में कुल मिलाकर दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा के लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर साबित हुई।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर, नीरज को 2025 में भी जश्न मनाने के कारण मिले। उन्होंने बेंगलुरु में पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक की मेजबानी की, जिसमें दुनिया भर के एथलीटों ने भाग लिया। घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ टूर्नामेंट जीता, जबकि जूलियस येगो और रमेश पथिरागे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

नोवाक जोकोविच ने चुना अनोखा ट्रेनिंग पार्टनर, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी तेज

माल्टा (एजेंसी)। एटीपी टूर के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी के लिए अपने ऑफ-सीजन में एक नए और अप्रत्याशित ट्रेनिंग पार्टनर के साथ अभ्यास शुरू किया है। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार अपने करियर के अंतिम पड़ाव में होने के बावजूद लगातार शीर्ष पर बने रहने की कोशिश में हैं।

जोकोविच ने चुना युवा फ्रेंच खिलाड़ी

जोकोविच ने 23 वर्षीय फ्रेंच खिलाड़ी आर्थर काजॉक्स के साथ ट्रेनिंग शुरू की है। काजॉक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, %तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और ङ्मस्त्रद्बश्यद्गह्ठ्ठश्चद्द के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं।% यह साझेदारी इस लिहाज से भी हैरान करने वाली है कि काजॉक्स अभी टूर पर अपेक्षाकृत नया खिलाड़ी हैं।

आर्थर काजॉक्स का 2025 में प्रदर्शन

काजॉक्स ने 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने किट्ज़बुहेल ञ्चक्कफाइनल में खेलते हुए उल्लेखनीय खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन ने उन्हें जोकोविच के लिए एक आकर्षक ट्रेनिंग पार्टनर बना दिया।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कमाल, टी20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर में पहली बार टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। वहीं दूसरी ओर, आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की वनडे सीरीज के समापन के बाद, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड ने वनडे बल्लेबाज के रूप में नंबर 1 स्थान पुनः प्राप्त कर लिया है, जो हाल ही में स्मृति मंधाना ने उनसे छीना था।

ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड अगस्त से टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज थीं, लेकिन विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ दीप्ति के चार ओवरों में 1/20 के हालिया स्पेल ने भारतीय स्टार को शीर्ष पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने भारत की आठ विकेट की जीत से पांच रेटिंग अंक अर्जित किए और 28 वर्षीय खिलाड़ी अब टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी से एक अंक की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं।

वनडे बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में मंधाना दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं, वहीं वोल्वाड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार शतक लगाकर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वोल्वार्ड्ट ने आयरलैंड के खिलाफ खेले गए अंतिम दो मैचों में शतक बनाए और प्रोटियाज ने श्रृंखला 3-0 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका की बेहद सुसंगत कप्तान ने अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल की और एक स्थान ऊपर चढ़कर मंधाना को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं।

उनकी साथी खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 36वें स्थान पर) ने भी श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मैच के बाद टी20द्ब गेंदबाजों की रैंकिंग में बढ़त हासिल की है, वहीं उनकी हमवतन जेमिमा रोड्रिग्स टी20आई बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में सबसे आगे हैं, जो पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। रोड्रिग्स ने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और वह टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की शीर्ष 10 सूची में शामिल हो गईं, जहां वह साथी भारतीय खिलाड़ी मंधाना (तीसरे स्थान पर) और शेफाली वर्मा (10वें स्थान पर) के साथ शामिल हो गईं।

बीसीसीआई ने अंडर–19 एशियाकप में खराब प्रदर्शन पर कोच और कप्तान से जवाब मांगा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप अंडर–19 के फाइनल में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन पर टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और टीम के मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर से जवाब मांगा है। भारतीय टीम को फाइनल में करारी हार का

सामना करना पड़ा था जिससे प्रशंसकों में निराशा का भाव है। इसके बाद से ही बीसीसीसी के सभी सदस्यों ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की समीक्षा की मांग की थी। जिसे बीसीसीसी ने मान लिया है। फाइनल में भारतीय टीम को 191 रनों से हार मिली थी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही विफल रहे थे। वहीं इससे पहले के सभी मैच भारतीय टीम जीती थी। ग्रुप स्तर पर हावी रही भारतीय टीम ने तब पाक को भी हराया था पर फाइनल में वह नाकाम रही। ये समीक्षा इसलिए भी की गयी ताकि अगले साल 2026 में होने वाले अंडर–19 विश्व कप से पहले टीम को हो रही परेशानी को हल किया जाये। पाकिस्तान की टीम ने फाइनल में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही प्रभाव जमाया और भारतीय टीम को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम के गेंदबाजों के सामने पाक ने 347 रन बनाये और इसके बाद भारतीय टीम को 26 ओवरों में ही समेट दिया।

सुनील गावस्कर को मिली पर्सनैलिटी राइट्स की कानूनी सुरक्षा, बने पहले स्पोर्ट्सपर्सन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इतिहास रचते हुए पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की न्यायिक सुरक्षा पाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के इस अहम फैसले ने न केवल खेल जगत बल्कि डिजिटल कानून और सेलिब्रिटी अधिकारों के क्षेत्र में भी एक नई मिसाल कायम की है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब सोशल मीडिया, ई–कॉमर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनील गावस्कर के नाम, तस्वीर और पहचान के कथित गलत इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सोशल मीडिया और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी उल्लंघनकारी पोस्ट, वीडियो और संबंधित कंटेंट को 72 घंटे के भीतर हटाया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि संबंधित अकाउंट या यूजर ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी होगी कि वे स्वयं ऐसे कंटेंट को हटाएं।

नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम को नये साल की शुरुआत में अपनी ही धरती पर न्यूजीलैंड से तीन एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इस दौरान भारतीय टीम को आठ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। टीम का पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में जबकि दूसरा 14 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा वहीं तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 18 दिसंबर को इंदौर में खेला जाएंगा। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1ः30 बजे से खेले जाएंगे।

एकदिवसीय सीरीज के बाद टी20 मैचों की सीरीज होगी। इससे भारतीय टीम को फरवरी में अपनी ही धरती पर खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। विश्वकप से

पहले इस सीरीज से भारतीय टीम को अभ्यास का अंतिम अवसर मिलेगा। सीरीज का पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 जनवरी को रायपुर में होगा ! तीसरा टी20 भारत 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेलेगा वहीं चौथा मैच 28 को विशाखापत्तनम में जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच 31 जनवरी 2026 को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। ये सभी मैच शाम 7ः00 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम विश्व कप में खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच अभी तक 120 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 62 जबकि न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं। वहीं सात मैचों का परिणाम नहीं निकला है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 25 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले गये हैं। इसमें 14 में भारतीय टीम। वहीं 10 में न्यूजीलैंड जीती है जबकि एक मैच टाई रहा है।टी20 विश्वकप ओर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी।

किरण अंकुश जाधव ने राष्ट्रीय शूटिंग में 10 मीटर एयर राइफल का जीता स्वर्ण

भोपाल । नेवी के किरण अंकुश जाधव ने मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल में संयमित और निरंतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जाधव ने 252.1 अंकों के साथ प्रतियोगिता समाप्त की और ओलंपियन अर्जुन बाबूता को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 251.4 अंकों के साथ रजत पदक जीता। मौजूदा 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स राष्ट्रीय चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 229.8 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। रेलवे के शहू तुषार माने 209.3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। उनके बाद हिमांशु ने 181.1, रमायणा तोमर ने 166.7, ओंकार विकास वाघमारे ने 145.4 और प्रदीप सिंह ने 123.3 अंकों के साथ फाइनल लाइन–अप पूरा किया। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर फाइनल में गुजरात के मोहम्मद मुरतजा वानिया ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 254.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ ने 251.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि कर्नाटक के ओंकार विकास वाघमारे ने 230.1 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कर्नाटक के नारायण प्रणव 209 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जिन्हें ओंकार के साथ शूट–ऑफ का सामना करना पड़ा। दिव्यांशु शैलेंद्र देवांगन 187.5 अंकों के साथ पांचवें और पार्थ माने 166.9 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे, जहां पार्थ भी शूट–ऑफ के बाद बाहर हुए। उमा महेश मद्दिनेनी ने 145.3 और हिमांशु ने 123 अंकों के साथ फाइनलिस्ट सूची पूरी की। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष यूथ फाइनल में ओंकार विकास वाघमारे ने अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए 250 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अंतिम शॉट्स में निर्णायक बढ़त बनाते हुए अपने ही राज्य के नारायण प्रणव को 0.3 अंकों से पीछे छोड़ा, जिन्हें रजत पदक मिला। तमिलनाडु के शक्तिवेल सेंथिवेल ने 229.5 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। पार्थ माने 208.2 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि अभिनव शॉ ने 187.3 और प्रीतम केंद्रे ने 166.4 अंकों के साथ क्रमश- पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। अबिषेक सेखर ने 145.2 और रितेश रविंद्र घुले ने 123.1 अंकों के साथ अन्य फाइनलिस्ट के रूप में प्रतियोगिता समाप्त की। पदक वितरण समारोह का आयोजन विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते FIH विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया - FIH हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक - जिससे एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उभरती हुई टीमों ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

स्पेन (2777) टॉप-10 रैंकिंग में साल के सबसे बड़े फायदे में रहने वालों में से है, क्योंकि वे पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साल की शुरुआत आठवें स्थान पर की थी ! स्पेन की यह बढ़त ऑस्ट्रेलिया (2758), जर्मनी (2734) और इंग्लैंड (2510) की कीमत पर हुई है, जो सभी एक-एक स्थान नीचे गिर गए हैं, और साल का अंत छठे, सातवें और आठवें स्थान पर किया है। न्यूजीलैंड (2319) जिसने 2025 में महिलाओं का एफआईएच हॉकी नेशंस कप और ओसनिया कप जीता था, वह भारत (2315) से ऊपर नौवें स्थान पर पहुंच गया है, जिसे 2025 में प्रो लीग से बाहर होना पड़ा था।

जापान (2186) और संयुक्त राज्य अमेरिका (2172) दो स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें और बारहवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि आयरलैंड (2030) और चिली (1999) तेरहवें और पंद्रहवें स्थान पर आ गए हैं, स्कॉटलैंड (2015) चौदहवें स्थान पर है। कोरिया (1864) सोलहवें स्थान पर बना हुआ है, उसके बाद फ्रांस (1742) है जिसकी एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में जीत ने उसे तीन स्थान ऊपर चढ़ने में मदद की। इटली (1737), उरुग्वे (1736) और दक्षिण अफ्रीका (1670) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि कनाडा (1668) और मलेशिया (1667) बस थोड़ा ही पीछे हैं !

पुरुषों की रैंकिंग में नीदरलैंड (3376) और बेल्जियम (3225) टॉप दो स्थानों पर बने हुए हैं, लेकिन साल की शुरुआत की तुलना में नीचे काफी बदलाव हुए हैं ! जर्मनी (3116) एक सफल यूरोहॉकी अभियान के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर आ गया है, उसके बाद अर्जेंटीना (3022) है जो साल की शुरुआत में आठवें स्थान पर रहने के बाद चौथे स्थान पर आ गया है ! ऑस्ट्रेलिया (3007) और स्पेन (2995) पांचवें और छठे स्थान पर एक-एक स्थान ऊपर चढ़े हैं, उसके बाद इंग्लैंड (2864) और भारत (2845) हैं जिन्हें सबसे बड़ा नुकसान हुआ है, जो साल की शुरुआत में क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर थे।

फ्रांस (2371) नौवें स्थान पर बना हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड (2254) और आयरलैंड (2246) ने साल की शुरुआत से एक-दूसरे के साथ जगह बदली है। दक्षिण अफ्रीका (2127) और मलेशिया (2097) बारहवें और तेरहवें स्थान पर स्थिर हैं। एफआईएच हॉकी प्रो लीग में प्रमोशन के बाद, पाकिस्तान (2034) चौदहवें स्थान पर एक स्थान ऊपर चढ़ गया है, उसके बाद

वेल्स (1989) और कोरिया (1981) हैं। मिस्र (1956) जिसने एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2 में शानदार डेब्यू किया था, इस साल सबसे ज्यादा ऊपर चढ़ने वाली टीमों में से एक है, जो सत्रहवें स्थान पर है।

जापान (1982), कनाडा (1863) और स्कॉटलैंड (1843) टॉप-20 में शामिल हैं, जबकि ऑस्ट्रिया (1805), चिली (1727), चीन (1723), पोलैंड (1694) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1690) अगले पांच स्थानों पर हैं। एफआईएच ने 1 जनवरी 2020 को जो रैंकिंग कैलकुलेशन मॉडल पेश किया, वह पिछले टूर्नामेंट-आधारित रैंकिंग सिस्टम से हटकर एक डायनामिक, मैच-आधारित तरीके पर आ गया है, जहाँ विरोधी टीमें ऑफिशियल,एफआईएच द्वारा मंज़ूर किए गए गेम्स में पॉइंट्स का आदान-प्रदान करती हैं। एक्सचेंज किए जाने वाले पॉइंट्स की संख्या मैच के नतीजे, टीमों की रिलेटिव रैंकिंग और मैच के महत्व पर निर्भर करती है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय मैच के आयोजन की अनुमति नहीं मिली है। पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने कह है कि आयोजकों ने मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी पर उसे स्वीकार नहीं किया गया है। वहीं इससे पहले राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया था और इसके बाद मैच की अनुमति नहीं दिये जाने की सलाह दी । पुलिस आयुक्त ने कहा, 'समिति ने कल स्टेडियम का दौरा किया था और उसकी सिफारिश पर मैच खेलने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। इसलिए वहां कोई मैच नहीं होगा।

60 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति-बिजनेसमैन राज कुंद्रा इन दिनों कानूनी विवादों में है। दरअसल, उनका नाम 60 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी और ठगी केस से जुड़ा है। उन्होंने खुद पर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। अब शिल्पा शेट्टी ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनका नाम गलत तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कंपनी में उनकी भूमिका सीमित और गैर-ऑपरेशनल थी।

शिल्पा शेट्टी की टीम की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया है, इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख हुआ है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन-एग्जीक्यूटिव था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। असल में, कई दूसरी जानी-मानी हस्तियों की तरह मैंने भी होम शॉपिंग चैनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था, जिसके लिए मुझे मिलने वाला पेमेंट अभी भी बकाया है। जारी बयान में कहा गया है कि कंपनी के रोजाना के कामकाज, फाइनेंस या फैसले लेने में उनकी (शिल्पा शेट्टी) कोई भूमिका नहीं थी।

कंपनी को करोड़ों का लोन देने की कही बात

शिल्पा शेट्टी ने आगे आरोप लगाया कि उनके परिवार ने कंपनी को एक बड़ी रकम लोन के तौर पर दी थी, जिसमें लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और वह रकम अभी भी चुकाई नहीं गई है। एक्ट्रेस ने हा, मैं यह रिकॉर्ड पर लाना चाहती हूं कि हमारे परिवार ने कंपनी को लगभग 20 करोड़ रुपये का लोन दिया है और वह रकम अभी भी बकाया है। मुझ पर आपराधिक जिम्मेदारी डालने की यह कोशिश, खासकर लगभग नौ साल की बिना किसी वजह की देरी के बाद, कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है।

बोलीं- न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, इन तथ्यों के बावजूद, मेरा नाम बेवजह कार्यवाही में घसीटा जा रहा है, जो परेशान करने वाला और गलत है। ऐसे बेबुनियाद आरोप न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि सार्वजनिक तौर पर एक महिला की गरिमा, ईमानदारी और प्रतिष्ठा को भी गलत तरीके से नुकसान पहुंचाते हैं। बयान में आगे कहा गया, बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और मैं अपने अधिकारों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उचित कानूनी उपाय करूंगी।

2018 में तेलुगु और 2021 में तमिल सिनेमा में किया डेब्यू

बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद निधि ने साल 2018 में नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'सब्यसाची' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की। जबकि साल 2021 में उन्होंने तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत फिल्म 'ईस्वरन' से की। हिंदी फिल्म से अपनी शुरुआत करने वाली निधि अग्रवाल ने अब तक अपने करियर में तीन तेलुगु और दो तमिल फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनके खाते में 'आई स्मार्ट शंकर' को छोड़कर अब तक कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं आई है। इस साल वो पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' में भी नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

निधि अग्रवाल ने आठ साल में कीं आठ फिल्में, अब प्रभास संग करेंगी रोमांस

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो हैदराबाद में हुए प्रभास और निधि की फिल्म 'द राजा साब' के गाने के लॉन्च इवेंट के बाद का है। निधि इवेंट से निकलकर वापस जा रही थीं, तभी वहां मौजूद भीड़ उन पर इस तरह से टूट पड़ी कि एक्ट्रेस लोगों के बीच में फंस गईं। हालांकि, किसी भी तरह से सिक्योरिटी गार्ड्स ने निधि को उनकी कार तक पहुंचाया। इस वीडियो के सामने आने के बाद अब लोग भीड़ पर नाराजगी जता रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम

साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म 'मुन्ना माइकल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था।

प्रभास के साथ द राजा साब में आएंगी नजर

निधि अग्रवाल अब फिल्म 'राजा साब' में नजर आएंगी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया गया है। इस फिल्म में निधि अपने से 14 साल बड़े अभिनेता प्रभास के साथ रोमांस फरमाती नजर

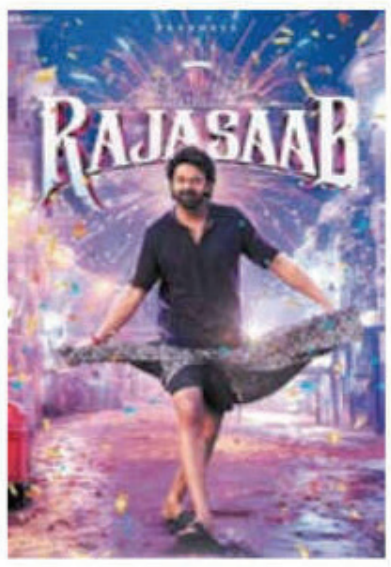

आएंगी। 'राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। पहले इस फिल्म को 5 दिसंबर को ही रिलीज होना था, लेकिन अब फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। निधि अग्रवाल को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

भीड़ में फंसने के बाद निधि अग्रवाल का वीडियो वायरल है। कई लोग इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और वहां मौजूद लोगों के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं। तो वहीं सोशल मीडिया पर कई यूजर्स 'द राजा साब' के मेकर्स पर भी सवाल उठा रहे हैं और उनकी व्यवस्था की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस पूरे मामले पर निधि अग्रवाल, प्रभास या फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं कार्तिक और अनन्या

बॉलीवुड में जब कोई जोड़ी एक बार साथ काम कर चुकी होती है और फिर लंबे समय बाद स्क्रीन पर लौटती है, तो उनके बीच का रिश्ता और काम करने का अनुभव हमेशा चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसा ही कुछ कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के बीच देखने को मिल रहा है। दोनों फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में सात साल बाद फिर से साथ नजर आने वाले हैं। 2018 में दोनों ने पहली बार पति, पत्नी और वो में साथ काम किया था, और अब फिल्म की रिलीज से पहले दोनों की केमिस्ट्री को लेकर काफी बातें हो रही हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कार्तिक ने अनन्या के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को साझा किया। कार्तिक ने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अनन्या के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने फिल्म में शानदार काम किया है और हर सीन में अपने अभिनय का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह असल में बहुत मेहनती हैं और उनके काम को देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। कार्तिक ने अनन्या के करियर को लेकर कहा, जब अनन्या इंडस्ट्री में आई थीं, तब भी बेहद आत्मविश्वासी थीं और अब एक बेहतरीन अदाकारा बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल अभिनय का हुनर दिखाया, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आगे बढ़ाया है। मैंने अनन्या को एक बेहतर इंसान के रूप में बढ़ते हुए देखा है, और यह अनुभव मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उन्होंने बताया कि अनन्या निर्देशक की सलाह को अच्छे से अपनाती हैं और हर सीन में एक नई ऊर्जा लाती हैं।

इमरान हाशमी ने शुरू की आवारापन 2 की शूटिंग

इमरान हाशमी को हाल ही में फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग करते हुए पेट में चोट आई थी। खबरों के मुताबिक एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान एक्टर के साथ हादसा हुआ। चोट लगने के बाद उनका इलाज किया गया। अब इमरान हाशमी ने दोबारा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इमरान हाशमी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

उन्हें एक्शन मूवमेंट्स शूट करने की मनाही है। इमरान हाशमी पर फिल्माए जाने वाले एक्शन सीन चोट ठीक हो जाने के बाद फिल्माए जाएंगे। इससे पहले इमरान हाशमी उन सीन्स को शूट करेंगे जो आसान हैं। फिल्म आवारापन 2इमरान हाशमी की 2007 में आई फिल्म आवारापन का सीक्वल है। पिछली फिल्म में इमरान हाशमी के साथ श्रेया सरन थीं। इस फिल्म में दिशा पाटनी होंगी।

माधुरी दीक्षित ने अपने करियर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और फिल्मों के चयन को लेकर बात की

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित चार दशकों से भी ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने न सिर्फ कई सुपरहिट फिल्में दीं, बल्कि बदलते दौर के साथ खुद को भी लगातार ढालती रहीं। इस बीच, उन्होंने अपने करियर के सफर, फिल्ममेकिंग में आए बदलाव और आज के समय में फिल्मों के चयन को लेकर बात की। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, तब फिल्म इंडस्ट्री आज जैसी व्यवस्थित नहीं थी। 80 और 90 के दशक में सिर्फ कुछ ही प्रोड्यूसर ऐसे थे, जो काम को बहुत प्रोफेशनल तरीके से करते थे। इनमें यश चोपड़ा, बी. आर. चोपड़ा, सुभाष घई और राजश्री प्रोडक्शन्स जैसे नाम शामिल थे। ज्यादातर फिल्में बिना ज्यादा प्लानिंग और सुविधाओं के बनती थीं। आज की तुलना में उस समय सब कुछ काफी अव्यवस्थित हुआ करता था।

माधुरी ने कहा, पहले फिल्मों में काम करते समय कलाकारों को बहुत ज्यादा तैयारी का मौका नहीं मिलता था। शूटिंग अक्सर अचानक शुरू हो जाती थी और कलाकारों को मौके पर ही सीन समझकर शूट करना पड़ता था। आज के समय में स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। अब कलाकारों को पहले से पूरी स्क्रिप्ट मिल जाती है, किरदार पर विस्तार से काम करने का समय मिलता है और शूटिंग से पहले अच्छी तैयारी की जाती है। इससे कलाकार अपने रोल को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं। उन्होंने कहा, पहले शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। इसके मुकाबले आज फिल्म सेट पर हर सुविधा उपलब्ध होती है। माधुरी ने कहा, आज फिल्मों में किरदारों पर बहुत ज्यादा मेहनत की जाती है। अब यह पहले से तय होता है कि कलाकार क्या पहनेंगे, उनका लुक कैसा होगा, और वे किस तरह से स्क्रीन पर नजर आएंगे। शूटिंग से पहले रीडिंग सेशन और रिहर्सल भी होती है, जो पहले के समय में नहीं हुआ करती थी। इन सब बदलावों से फिल्ममेकिंग का स्तर काफी ऊपर चला गया है।

सख्त पुलिसवाले से लेकर खूंखार गैंगस्टर तक पर्दे पर इन किरदारों से जॉन अब्राहम ने मचाई 'धूम'

मॉडलिंग से अपना करियर शुरू करने वाले जॉन अब्राहम की गिनती इंडस्ट्री के प्रमुख अभिनेताओं में होती है। दो दशक से भी लंबे अपने एक्टिंग करियर में जॉन कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। एक्टिंग के अलावा जॉन अब्राहम अपने लुक और बॉडी को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। अपनी फिल्मों के अलावा उन्होंने कई अन्य सफल फिल्मों का भी निर्माण किया है।

कबीर (धूम)

साल 2004 में आई फिल्म 'धूम' में जॉन अब्राहम ने कबीर नाम के एक चोर की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम का लुक और बाइक चलाने का उनका स्वैग लोगों को काफी पसंद आया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इस फिल्म को एक ट्रेंड सेटर फिल्म माना जाता है, जिसने बड़े वालों वाले लुक और बाइक के प्रति लोगों की दीवानगी में इजाफा किया था।

श्याम या सैम (गरम मसाला)

चोर बनकर लोगों का दिल चुराने के बाद जॉन अब्राहम साल 2005 में आई कॉमेडी फिल्म 'गरम मसाला' में श्याम उर्फ सैम के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में जॉन अब्राहम अक्षय कुमार के साथ प्रमुख भूमिका में थे। फिल्म में दोनों दोस्त बने हैं। फिल्म में जॉन की कॉमिक टाइमिंग ने सभी को हैरान किया था।

के (नो स्मोकिंग)

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'नो स्मोकिंग' भले ही बॉक्स ऑफिस पर सफल न रही हो, लेकिन फिल्म को क्रिटिक्स से काफी सराहना मिली थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने के नाम के एक चेन स्मोकर की भूमिका निभाई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में जॉन अब्राहम के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी।

सनी भसीन (गोल)

2007 में आई फिल्म 'गोल' एक स्पोर्ट ड्रामा है, जो फुटबॉल पर आधारित है। फिल्म में क्लब फुटबॉल से लेकर नेशनल लेवल तक के फुटबॉल खेल को दिखाया गया है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने सनी भसीन नाम का किरदार निभाया है, जो एक अच्छा फुटबॉल प्लेयर होता है। जॉन अब्राहम असल जिंदगी में भी काफी अच्छी फुटबॉल खेल लेते हैं।

कुणाल चौहान (दोस्ताना)

फिल्म 'दोस्ताना' दो दोस्तों की कहानी है। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में सैम (अभिषेक बच्चन) और कुणाल (जॉन अब्राहम) रेंट पर घर लेने के लिए समलैंगिक कपल होने का नाटक करते हैं। इसके बाद लोग उन्हें असल में भी समलैंगिक समझने लगते हैं। फिल्म में जॉन अब्राहम की बॉडी और लुक्स की काफी चर्चा हुई थी। यह फिल्म उनके करियर की अहम फिल्मों में शामिल है।

मान्या सुर्वे (शूटआउट एट वडाला)

संजय गुप्ता द्वारा निर्देशित फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' में जॉन अब्राहम ने मान्या सुर्वे का किरदार निभाया है। मान्या 1970-80 के दशक में मुंबई का एक शिक्षित और खूखांर गैंगस्टर रहा है। इस गैंगस्टर के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे थे और उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ भी हुई थी।

समीर शेख (न्यूयॉर्क)

कबीर खान की फिल्म 'न्यूयॉर्क' जो 9/11 हमलों के बाद न्यूयॉर्क में रहने वाले तीन दोस्तों (जॉन अब्राहम, कटरीना कैफ और नील नितिन मुकेश) की कहानी है। फिल्म में जॉन ने समीर शेख उर्फ सैम की भूमिका निभाई है, जो आतंकवाद का गलत आरोप लगने के बाद आतंकी गतिविधियों में शामिल हो जाता है।

विक्रम सिंह (मद्रास कैफे)

साल 2013 में आई फिल्म 'मद्रास कैफे' सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म है। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने भारतीय खुफिया जासूस विक्रम सिंह की भूमिका निभाई है। 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में श्रीलंका के गृहयुद्ध और भारतीय हस्तक्षेप से प्रेरित इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या और उसकी जांच को दिखाया गया है।

एसीपी संजय कुमार (बाटला हाउस)

2018 में दिल्ली के बाटला हाउस में हुए एनकाउंटर पर आधारित फिल्म 'बाटला हाउस' में जॉन अब्राहम ने एसीपी संजय कुमार की भूमिका निभाई है। असल पुलिस वाले के किरदार में जॉन अब्राहम काफी जंचे हैं।

जिम (पठान)

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम ने विलेन की भूमिका निभाई है। फिल्म में जॉन ने जिम नाम के पूर्व रॉ एजेंट और आउटफिट एक्स नाम के आतंकी संगठन के सरगना का किरदार निभाया है। शाहरुख खान स्टारर इस फिल्म में जॉन एक खूंखार, शक्तिशाली और दहशत फैलाने वाले विलेन के किरदार में नजर आए हैं।

भीम प्रज्ञा कविता

अरावली की वेदना

अरावली की पर्वत माला, होकर दुखी पुकारी है।
देशवासियों बचाओ लो मुझे,
दुष्टों ने मेरा अस्तित्व ख़त्म करने की ठानी है ।

वृक्ष काटकर खेत बनाते,
अपनी फ़सल उगाने को।
साथ पहाड़ी खोद गिराते,
धरती नई बनाने को ।
अनउपचारित खनन यहाँ की,
सबसे बड़ी बीमारी है।
जनता से पूछ रही अरावली,
क्यों हो रही बर्बादी हमारी है

दोहन करके संसाधन का,
खतरा स्वयं बढ़ाया है।
पर्यावरण हुआ जहरीला,
संकट सब पर छाया है।

खान खोदकर ग्रेनाइट की,
करदी ध्वस्त पहाड़ी है।
प्रकृति प्रेमियों से सवाल कर रही ,
क्यों बर्बाद हो रही अरावली है ?

शहर बसाने ख़ातिर हमने,
अपना चमन उजाड़ा है।
अपने ही हाथों से हमने,
मस्तक स्वयं उखाड़ा है।

चार राज्य में बसी शृंखला,
अरावली अति प्यारी है।
सफ़ेदपोश नेताओं से मांग कर रही,
क्यों बर्बादी कर रहे हमारी है ?

धोखा कुदरत से करते वो,
बात करें समझाने की।
वृक्षारोपण बनता नाटक,
खेप चली कटवाने की।

रौनक अपनी गेंद रहे ये,
नाकामी नाकारी है।
बेदर्दी इंसानों से मांग कर रही अरावली,
क्यों नष्ट कर रहे हो मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है।

गुरु शिखर और माउन्ट आबू,
पर्वत शिखर निराले हैं।
वैभव शाली अतीत वाले,
उच्च शिखर मतवाले हैं।
रक्षा करनी अरावली की भास्कर कहता,
सभी की जिम्मेदारी है।
मांग कर रही जीवनदायिनी,
भूलकर मतभेद मुझे बचना है ।

अरावली की वेदना सुनकर
अपने दिल की आवाज सुनानी है,
एकता का परिचय देकर प्रकृति माता की इज्जत बचानी है ।

लेखक-मदन मोहन भास्कर

50 भारतीय अब भी रूसी सेना में, 26 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में 202 भारतीयों ने रूसी सेना की तरफ से हिस्सा लिया, जिनमें से 119 को केंद्र सरकार के प्रयासों से वापस भारत लाया जा चुका है, वहीं 26 की मौत हो चुकी और सात लापता हैं। लगभग 50 भारतीय अब भी युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हैं। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सांसद साकेत गोखले और रणदीपसिंह सुरजेवाला के सवालों के जवाब में बताया कि इन नागरिकों की शीघ्र रिहाई के लिए रूस के साथ लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है। इस बीच गुजरात के युवक का वीडियो जारी हुआ, जिसमें बताया गया कि उसे ड्रग्स के मामले में झूठा फंसाकर रूसी सेना में शामिल कर लिया है।

गुरुग्राम में एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी...कुल 18 गिरफ्तारियां, जिसमें 16 विदेशी नागरिक

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में नए साल के जश्न से पहले पुलिस पूरी मुस्तैदी में दिख रही है। भोंडसी स्थित एक फार्म हाउस पर हुई छापेमारी ने अवैध गतिविधियों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। छापेमारी का विवरण एलिगेंट फार्म बी-2, बहलपा ग्रीन, भोंडसी (गुड़गांव)। छापेमारी में कुल 18 गिरफ्तारियां, जिनमें 16 विदेशी नागरिक (नाइजीरियाई) शामिल हैं। इनमें तीन युवतियां और एक महिला भी है। पुलिस ने 3 लाख 20 हजार रुपये कैश (जुआ खेलने के लिए इस्तेमाल) बरामद किया। जबकि करीब 5 लाख रुपये की शराब (24 पेटी महंगी शराब और 16 पेटी बियर) पकड़ी। पुलिस ने आरोपियों पर कई गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अवैध रूप से शराब परोसने और पीने के लिए, फार्म हाउस में जुआ खिलाने और खेलने के लिए केस दर्ज हुआ है। पकड़े गए विदेशी नागरिक अपने पासपोर्ट और वीजा के दस्तावेज नहीं दिखा पाए। पुलिस संबंधित एंबेसी (दूतावास) को सूचित कर रही है और इन सभी विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट (देश निकाला) करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मतदाता सूची में नाम तो निश्चिंत ना हों, अब चुनाव आयोग करेगा असली जांच

–संतोषजनक तथ्य नहीं पेश कर पाने पर हटाए जा सकते हैं नाम

कोलकाता (एजेंसी)। सिर्फ इसलिए कि आपका नाम मसौदा मतदाता सूची में आ गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप निश्चिंत हो जाएं। अभी भी हो सकता है कि आपका नाम अंतिम मतदाता सूची से बाहर हो जाए। चुनाव आयोग की असली जांच अब शुरू होगी, जिन भी लोगों ने गणना प्रपत्र भरा है, उनमें से करीब सभी के नाम मसौदा सूची में हैं। इनमें करीब एक करोड़ 66 लाख नामों पर चुनाव आयोग को शक है। उन लोगों के तथ्यों की बारीकी से जांच की जाएगी।

जरुरत पड़ी तो उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। संतोषजनक तथ्य नहीं पेश कर पाने पर उनके नाम हटाए जा सकते हैं। किन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा, यह तय करने के लिए आयोग की अपनी पद्धति है।

मसौदा सूची में शामिल 30 लाख से ज्यादा मतदाताओं को सुनवाई का सामना करना होगा। बाकी एक करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में से कुछ को जरुरत पड़ने पर सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

30 लाख 59 हजार 273 मतदाता 2002 की सूची से अपना कोई लिंक नहीं दिखा पाए हैं यानी उनकी जानकारी 2002 से मैप नहीं हो पाई। इन सभी के नाम मसौदा सूची में हैं, हालांकि यह पक्का नहीं है कि वे वैध मतदाता हैं या नहीं इसलिए इन सभी को सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा।

नो मैपिंग कैटेगरी के मतदाताओं के अलावा आयोग को एक करोड़ 36 लाख और मतदाताओं पर शक है। आयोग को उनके गणना प्रपत्रों में मिली जानकारी संदिग्ध लग रही है इसलिए उन्हें वेरिफाई करने का फैसला किया गया है, हालांकि इन सभी को सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाएगा।

कुछ मामलों में मतदाताओं से उनके पिता या माता सिर्फ 15 साल बड़े हैं। कुछ मामलों में मतदाता अपने दादा या दादी से 40 साल भी छोटे नहीं हैं। कुछ मामलों में मतदाता और उसके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 50 साल से ज्यादा है।

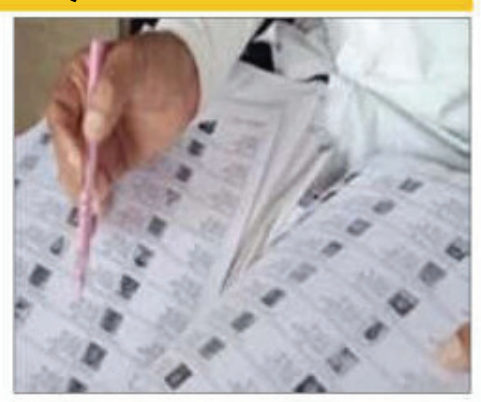

कुछ जगहों पर छह से ज्यादा मतदाताओं के पिता का नाम एक ही है। संबंधित इलाके के बीएलओ उन सभी के घर जाकर इसकी जांच करेंगे। जिनकी जानकारी से संतुष्ट नहीं होंगे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। उन्हें बीएलओ घर-घर जाकर नोटिस देंगे। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि उन्हें सुनवाई के लिए कब और कहां हाजिर होना है। इसी तरह संबंधित मतदाता को जरुरी दस्तावेजों के साथ तय दिन तय जगह पर पहुंचना होगा। मतदाताओं को तीन लिस्ट में बांटा है-अपनी मैपिंग, संतान मैपिंग और नान-मैपिंग। जिनके नाम 2002 की मतदाता सूची में थे, वे अपनी मैपिंग लिस्ट में हैं। ऐसे 2 करोड़ 93 लाख 69 हजार 188 मतदाताओं की पहचान की गई है, जिनके नाम 2002 की सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता या रिश्तेदारों के नाम हैं, वे प्रोजेनिटी मैपिंग लिस्ट में हैं। राज्य में ऐसे मतदाताओं की संख्या 3 करोड़ 84 लाख 55 हजार 939 है। इसके अलावा 30 लाख वोटर्स ऐसे भी हैं, जिनके नाम या उनके रिश्तेदारों के नाम 2002 की सूची में नहीं हैं। वे नान-मैपिंग वोटर्स हैं। वे सभी इस तीसरी सूची में शामिल हैं।

गंगा लिंक एक्सप्रेसवे को मिली रफ्तार, निर्माण के लिए 1246 करोड़ रुपये का प्रावधान

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुपूरक बजट में नोएडा और आस-पास के क्षेत्रों के विकास को बड़ी सौगात दी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए ग्रीनफील्ड गंगा लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, जिसके लिए 1246 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास और बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार गंगा एक्सप्रेसवे को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए 74 किलोमीटर लंबे नए लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण करेगी। यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बुलंदशहर के स्याना से शुरू होकर यमुना सिटी में फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इस 74 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे का करीब 21 किलोमीटर हिस्सा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यमुना अथॉरिटी) क्षेत्र में आएगा। इसमें से लगभग 9 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड एक्सप्रेसवे के रूप में बनाया जाएगा। इसके अलावा यमुना सिटी के सेक्टर क्षेत्र में 24 मीटर चौड़ी सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय आवागमन को सुविधा मिलेगी ।यमुना अथॉरिटी अपने क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले महीने से शुरू करेगी। इसके तहत 16 गांवों की करीब 740 एकड़ जमीन खरीदी जाएगी। जमीन अधिग्रहण के बाद एक्सप्रेसवे निर्माण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। अनुपूरक बजट में नोएडा के हेल्थ सेक्टर को भी प्राथमिकता दी गई है। चाइल्ड पीजीआई नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए भी बजट आवंटित किया गया है, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। गंगा लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यमुना सिटी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे न केवल औद्योगिक और निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मनरेगा के मूल उद्देश्य को कमजोर कर रहा केंद्र, किसान मजदूर संघर्ष समिति ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के नेता सतनाम सिंह पन्नू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को कमजोर किया जा रहा है और ग्रामीण एवं श्रमिक वर्ग के परिवारों के लिए आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल उद्देश्य से भटकाया जा रहा है। पन्नू ने कहा कि 2005 में शुरू होने के बाद से एमजीएनआरईजीए एक अधिकार-आधारित कार्यक्रम के रूप में कार्य करता रहा है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा किए गए हालिया परिवर्तनों ने इसकी संरचना को बदल दिया है। उन्होंने देश भर में जारी किए गए 26 करोड़ जॉब कार्डों के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला दिया, जिनमें से 12 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिला है। पंजाब में 20 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें से 11 लाख श्रमिकों को रोजगार मिला है।

पन्नू ने कहा कि देश भर में इस योजना के तहत लगभग 26 करोड़ जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें से लगभग 12 करोड़ लाभार्थियों को रोजगार मिला है। अकेले पंजाब में ही लगभग 20 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं और लगभग 11 लाख श्रमिकों को एमजीएनआरईजीए के तहत काम मिल रहा है। हालांकि, यह आरोप लगाया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने एमजीएनआरईजीए की संरचना में मौलिक रूप से बदलाव किया है और इसे एक नए रूप में पेश किया है, जिससे इसके मूल उद्देश्यों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने दावा किया कि ÷केंद्र सरकार ने ग्राम सभाओं और पंचायतों की शक्तियां छीन ली हैं, जो पहले गांवों में विकास कार्यों का निर्णय करती थीं।

बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में जुटी महबूबा

–हिजाब से जोड़कर आपत्तिजनक बयान दिया

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न पर चिंता जताने के नाम पर पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने जिस तरह भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने और कानून-व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया हैं वहां आपत्तिजनक है। सबसे पहले सच्चाई यहां हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कोई खोखला नारा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ अपराध होता है, तब उसके लिए कानूनी प्रक्रिया मौजूद है, एफआईआर से लेकर न्यायालय तक सबकुछ देश में मौजूद है। छिटपुट घटनाओं को लेकर पूरे देश को 'नैतिक दुविधा' में

बताना, दरअसल भारत की संस्थाओं और लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इसके उलट महबूबा का यह कहना कि भारत का नेतृत्व 'नैतिक दुविधा' में है, दरअसल राजनीतिक एजेंडे की बू देता है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के सिंदूर लगाने तक से डरने की खबरें आई हैं, इसके बाद अपेक्षा थी कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर रह चुकीं महबूबा मुफ्ती कड़े शब्दों में बर्बरता की निंदा करेंगी और पीड़ितों के साथ खड़ी होंगी। लेकिन महबूबा ने राजनैतिक रोटियां सेंकते हुए भारत के भीतर हिजाब से जुड़ी बहस से जोड़ दिया। यह तुलना न सिर्फ असंगत है, बल्कि एक तरह से बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को तर्कों की आड़ में जायज ठहराने जैसा प्रतीत होती है। महबूबा को याद रखना चाहिए कि भारत में हिजाब या किसी भी धार्मिक प्रतीक को लेकर बहसें न्यायालयों और संवैधानिक दायरे में होती हैं। यहां कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई होती है, चाहे वे किसी भी धर्म से हों। इसके विपरीत, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक महिलाओं को उनकी पहचान के कारण डर में जीने पर मजबूर किया जा रहा है। दोनों स्थितियों को एक ही तराजू पर तौलना गलत है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, बांग्लादेश से आ रही खबरें बहुत परेशान करने वाली हैं, जिसमें कहा गया है कि हिंदू महिलाएं सिंदूर लगाकर बाहर निकलने से डरती हैं।'' महबूबा ने कहा कि अपने देश का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है क्योंकि यहां ''अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं का हिजाब जबरदस्ती उतार रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दुख की बात है कि भारतीय नेतृत्व को बांग्लादेशी अधिकारियों के सामने गंभीर मुद्दे को उठाने में एक नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि देश में ही कुछ अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं के हिजाब जबरदस्ती उतारते देखे जा रहे हैं। कट्टरपंथियों से भरी इस दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और गरिमा के लिए वास्तव में कौन खड़ा होगा?

राज्यसभा में और घटेगी विपक्ष की ताकत, 75 सीटों पर चुनाव, अधिकांश में एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वर्ष में राज्यसभा की 75 सीटें रिक्त हो रही हैं। जिन पर चुनाव के बाद जहां सत्ता पक्ष की ताकत बढ़ेगी, वहीं विपक्ष की ताकत और घट जाएगी। वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए की 129 सीटें हैं, जबकि विपक्षी दलों के 78 सांसद हैं। हाल ही में बिहार सहित अन्य राज्यों में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद हो रहे चुनाव में अधिकांश सीटों पर एनडीए की जीत लगभग तय है। इससे लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी एनडीए ताकतवर बनकर उभरेगी। अगले वर्ष बिहार, उत्तरप्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के साथ कई पूर्वोत्तर के राज्यों की सीटें भी खाली होने वाली हैं। इनमें से कई राज्यों में एनडीए का पलड़ा भारी है।

इनका कार्यकाल खत्म– अगले वर्ष 2026 में जिन दिग्गज नेताओं का कार्यकाल खत्म हो रहा है उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन शामिल हैं।

सरकार मनरेगा का नाम बदलकर नए प्रयोगों से गरीबों का हक कम कर रही: सचिन पायलट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मनरेगा का नाम बदलने का विरोध किया और कहा कि नया विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी ग्रामीण रोज़गार योजना को खत्म कर देगा। पायलट ने तर्क दिया कि नई योजना ग्रामीण रोजगार के अधिकार मनरेगा को कमजोर कर सकती है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार मनरेगा जैसे स्थापित ढांचे के बजाय नए प्रयोगों से गरीबों का हक कम कर रही है।

कांग्रेस महासचिव पायलट ने केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण रोजगार कानून 'मनरेगा' का नाम बदले जाने को 'ऐतिहासिक गलती' और 'सबसे वंचित लोगों' की आजीविका के अवसरों पर एक सुनियोजित हमला करार दिया है। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी पर नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं-सोनिया गांधी और राहुल गांधी को झूठा फंसाकर लगातार 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का भी आरोप लगाया।

पायलट ने कहा कि भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक गलती की है। आजादी के बाद इतिहास में पहली बार राष्ट्रपिता के नाम पर शुरू की गई किसी योजना या कार्यक्रम का नाम बदला गया है। भारत में ग्रामीण भारत की वित्तीय सुरक्षा के लिए मनरेगा नामक जो एकमात्र नेटवर्क था उसे सरकार ने पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को राज्य सरकारों, हितधारकों और नागरिक संस्था से बिना किसी चर्चा के रद्द कर दिया गया है और संसद का इस्तेमाल 'बहुमत की ताकत' दिखाने और कानून को जबरदस्ती पारित कराने के लिए किया गया।

बीजेपी पर 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में फंसाकर 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का आरोप लगाते हुए पायलट ने कहा कि कोर्ट ने कहा है कि वह ईडी द्वारा दायर मामले का संज्ञान नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश से यह स्पष्ट हो जाता है कि मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित था...हम निर्दोष साबित हुए हैं।

इसके अलावा कांग्रेस की कर्नाटक यूनिट में पावर स्ट्रगल की अटकलों को कम करते हुए पायलट ने कहा कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डी के शिवकुमार पूरी तालमेल से काम कर रहे हैं और पार्टी हाई कमान द्वारा लिया गया कोई भी फैसला सभी को मंजूर होगा। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए जब डिप्टी सीएम शिवकुमार उनके बगल में बैठे थे, तो पायलट ने अंदरूनी कलह की बातों को खारिज कर दिया। पायलट ने कहा कि जब राज्य कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया को अपना बड़ा भाई कहा है और सीएम कहते हैं कि वह शिवकुमार मेरे छोटे भाई हैं, तो बात वहीं खत्म हो जाती है।

ममता का आरोप बोली- भाजपा बंगाल के डेढ़ करोड़ मतदाताओं को वोट से वंचित करना चाहती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा डेढ़ करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश कर रही है, जो लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने जैसा है। उन्होंने दावा किया कि बर्दवान में बाहर के राज्यों, खासकर बिहार से मोटरसाइकिलें लाई जा रही हैं और चुनाव के लिए बाहरी लोगों को लाने की कोशिश हो रही है। ममता ने कहा कि एसआईआर को लेकर सभी बीएलए को स्थानीय विधायक, पार्षद और ब्लॉक अध्यक्षों से सलाह करनी चाहिए।

बनर्जी ने कोलकाता में आयोजित पार्टी बैठक में कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था की तरह काम नहीं कर रहा, बल्कि भाजपा के निर्देशों पर चल रहा है। चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची तैयार करने में भारी स्तर पर गलतियां हुई हैं। उन्होंने

साफ चेतावनी दी कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जो पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता निष्क्रिय रहेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बूथ स्तर के एजेंटों को सतर्क रहने और मतदाताओं की रक्षा करने का निर्देश दिया। ममता ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया जानबूझकर की जा रही है ताकि खास समुदायों के वोट छीने जा सकें।

ममता बनर्जी ने एसआईआर को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। ममता ने केंद्र से भेजे गए माइक्रो ऑब्जर्वरों की नियुक्ति पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को स्थानीय भाषा और हालात की समझ नहीं है, जिससे आम मतदाताओं को परेशानी हो रही है।मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह बिना बंगाल सरकार को जानकारी दिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर रही है और भाजपा के हित साध रही है। उन्होंने कहा कि केवल टीएमसी के कार्यकर्ता ही राज्य में भाजपा की पैठ रोक सकते हैं।

2025 में पीएम मोदी ने की 23 देशों की 11 विदेश यात्राएं, कोविड के बाद सर्वाधिक दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अपनी चार दिवसीय महत्वपूर्ण विदेश यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौटे हैं। इस यात्रा का सबसे प्रमुख पहलू ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करना रहा। यह दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दृष्टि से अहम था, बल्कि इसने चालू वर्ष 2025 को प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के लिहाज से एक ऐतिहासिक साल बना दिया है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष प्रधानमंत्री ने कुल 11 विदेश यात्राएं कीं, जिनके माध्यम से उन्होंने 23 देशों का दौरा किया और लगभग 42 दिन विदेशी धरती पर व्यतीत किए।

वर्ष 2015 के बाद यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री की वैश्विक सक्रियता इस स्तर पर देखी गई है। अगर पिछले रिकॉर्ड्स पर नजर डालें, तो 2015 में उन्होंने 13 यात्राओं के दौरान 28 देशों का दौरा किया था और 54 दिन विदेश में बिताए थे। उस वर्ष के बाद, 2025 उनके कार्यकाल का सबसे सक्रिय और व्यापक विदेश दौरों वाला वर्ष साबित हुआ है। इस साल की विदेश नीति में एक स्पष्ट रणनीतिक बदलाव भी देखने को मिला है। मई माह के बाद, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत, इन दौरों की आवृत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इन यात्राओं के पीछे ठोस आर्थिक और रणनीतिक कारण निहित रहे हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जब चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, भारत के लिए इनके वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करना अनिवार्य हो गया था। प्रधानमंत्री के दौरों का एक बड़ा लक्ष्य इन संसाधनों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा। इसके साथ ही, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद, भारत को अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की तत्काल आवश्यकता थी। ओमान और अन्य अफ्रीकी व मध्य-पूर्वी देशों के साथ हुए समझौते इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं, ताकि भारतीय उत्पादों के लिए नए और सुरक्षित बाजार तैयार किए जा सकें।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं में आई इस तेजी का एक अन्य कारण घरेलू राजनीतिक कैलेंडर भी रहा। वर्ष 2024 की तुलना में, जब लोकसभा चुनावों के साथ-साथ कई बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव थे, वर्ष 2025 में चुनावी व्यस्तताएं अपेक्षाकृत कम रहीं। केवल दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों में चुनाव होने के कारण प्रधानमंत्री को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए अधिक समय मिल सका। तुलनात्मक रूप से देखें तो उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्राएं लगभग थम सी गई थीं। वर्ष 2020 में जहां कोई यात्रा नहीं हुई, वहीं 2021 और 2022 में भी वैश्विक प्रोटोकॉल के चलते सक्रियता सीमित रही। अब, सामान्य होते हालातों और बदलती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के बीच, ये हालिया दौरे भारत को एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की कोशिश के रूप में देखे जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com